

सत्य को हजार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।

“स्वामी विवेकानंद”

बंगाल-तमिलनाडु समेत 5 राज्यों में चुनावों के चलते शेड्यूल बदला

28 मार्च से शुरू होगा IPL 2026: टी 20 वर्ल्डकप फाइनल से पहले ऐलान



मुम्बई। IPL 2026 की शुरुआत 28 मार्च को होगी। इसकी घोषणा रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले भारत-न्यूजीलैंड टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल से पहले ब्राडकास्ट स्टार स्पॉटिंग ने की। पहले टूर्नामेंट 26 मार्च से शुरू होना था, लेकिन तमिलनाडु, केरल, असम, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में होने वाले चुनावों के कारण शेड्यूल में बदलाव किया गया है। हालांकि चर्चा की ओर से अभी तक टूर्नामेंट का पूरा कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है।

चेपॉक, इंडन गार्डन्स में होते हैं मैच

विधानसभा चुनाव वाले राज्यों में तीन ऐसे प्रमुख स्टेडियम हैं जो IPL वेन्यू के रूप में इस्तेमाल होते रहे हैं। तमिलनाडु के चेन्नई स्थित एमए चिंदबरम स्टेडियम (चेपॉक) चेन्नई सुपर किंग्स का होम ग्राउंड है। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में स्थित इंडन गार्डन्स कोलकाता नाइट राइडर्स का घरेलू मैदान है, जबकि असम के गुवाहाटी में बना बारसापाड़ा क्रिकेट स्टेडियम राजस्थान रॉयल्स का सेकेंड होम वेन्यू रहा है।

चुनाव के कारण दो चरणों में आ सकता है शेड्यूल

2008 में IPL शुरू होने के बाद जब भी देश में आम चुनाव (2009, 2014, 2019 और 2024) या किसी राज्य में विधानसभा चुनाव हुए हैं, टूर्नामेंट का शेड्यूल दो हिस्सों में जारी किया गया है। ऐसे में संभावना है कि इस बार भी इतकएसा ही करेगा।

बेंगलुरु में होगा ओपनिंग और फाइनल मैच

कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन के सेक्रेटरी संतोष मेनन ने कन्फर्म किया कि बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में

ही ओपनिंग और फाइनल मैच खेले जाएंगे। होम टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु इस बार अपने 5 होम मैच चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेलेगी। फ्लड के बाकी दो होम मैच छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होंगे। पिछले सीजन की चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 2025 के फाइनल में अहमदाबाद में पंजाब किंग्स को 6 रन से हराया था। IPL में परंपरा रही है कि टूर्नामेंट का ओपनिंग मैच, क्वालिफायर-2 और फाइनल मुकाबला डिफॉइंग चैंपियन टीम के होमग्राउंड पर रखा जाए। पिछले साल का ओपनिंग मैच 2024 की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स के होमग्राउंड पर हुआ था। इसी तरह इस बार के मैच चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले जाएंगे।

ऑक्शन में 26 मार्च बताया गया था

इउकने पिछले साल दिसंबर में अबू धाबी में हुई IPL नीलामी के दौरान फ्रेंचाइजियों को बताया था कि सीजन 26 मार्च से 31 मई तक चलेगा। उस समय 26 मार्च से शुरूआत तय मानी जा रही थी। हालांकि, अगर ओपनिंग डेट आगे बढ़ती है तो फाइनल की तारीख नहीं बदलेगी। क्योंकि 31 मई को रविवार है और अक्सर बड़े स्पॉट्स टूर्नामेंट में छिटाबी मुकाबले रविवार को ही होते हैं।

रंग का गुब्बारा विवाद में मर्डर आरोपी के घर बुलडोजर एक्शन

अब तक 8 आरोपी पकड़े गए; दिल्ली में होली पर युवक की हत्या हुई थी

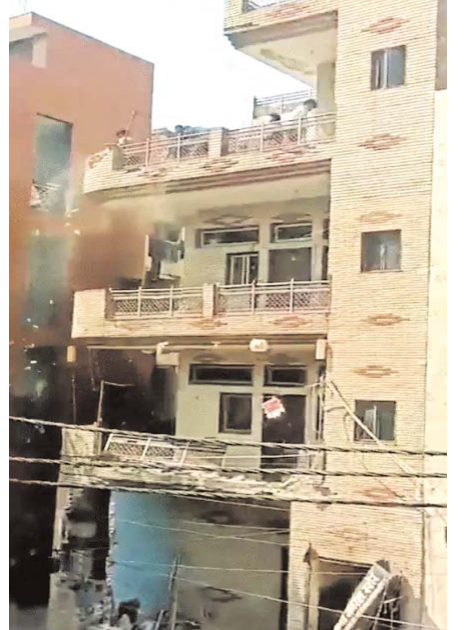
नई दिल्ली। दिल्ली में नगर निगम प्रशासन ने रविवार को मर्डर के आरोपी निजामुद्दीन का घर का अतिक्रमण वाला हिस्सा बुलडोजर से ढहा दिया। यह एक्शन उत्तम नगर इलाके की जेजे कॉलोनी में आरोपी निजामुद्दीन के खिलाफ लिया गया। इस दौरान भारी पुलिस मौके पर तैनात रही। दरअसल 4 मार्च को होली पर रंग का गुब्बारा फेंकने पर हुए विवाद में निजामुद्दीन समेत कई लोगों ने तरुण (26) नाम के युवक की हत्या की थी। पुलिस ने इस मामले में 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। एक आरोपी को भी हिरासत में लिया गया है। आरोपियों के खिलाफ हत्या और SC/ST एक्ट में केस दर्ज किया गया है। घटना के बाद बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने 6 मार्च को उत्तम नगर ईस्ट मेट्रो स्टेशन के पास प्रदर्शन किया था। भीड़ ने निजामुद्दीन के घर के बाहर मौजूद वाहनों में आग लगाई थी।

बच्ची ने गुब्बारा फेंका, मुस्लिम महिला पर छोटें पड़े

दरअसल, 4 मार्च को होली वाले दिन उत्तम नगर की जेजे कॉलोनी में तरुण सिंह (26) के घर की 11 साल की बच्ची छत से नीचे रंग के गुब्बारे फेंक रही थी। उसने एक गुब्बारा अपने ताऊ पर फेंका। पानी के छींटे रास्ते से गुजर रही मुस्लिम महिला पर पड़े। तरुण के बड़े भाई अरुण के मुताबिक महिला इस पर नाराज हुई। उसका तरुण के परिवार से विवाद हुआ। तरुण के परिवार ने महिला से माफी मांगी, लेकिन महिला उन्हें अपशब्द कहती रही। इसके बाद महिला वहां से चली गई। अरुण ने बताया कि कुछ समय बाद महिला के परिवार के 20-25 लोग क्रिकेट बेट, डंडे और लोहे की रॉड लेकर आए। उन लोगों ने हमला कर दिया। इस समय तरुण दोस्तों के साथ होली खेलने गया था, लेकिन वह भी लौट आया। कुछ लोगों ने तरुण पर

तरुण की हत्या का वीडियो भी सामने आया

घटना का वीडियो भी सामने आया है। इसमें नजर आ रहा है कि गली के किनारे पर कुछ लोग तरुण पर लाठी, बेट, डंडे और लोहे की रॉड से हमला कर रहे हैं। गली में भीड़ मौजूद है। पीड़ित परिवार तरुण को बचाने की कोशिश कर रहा है। तरुण के पिता की मांग है कि आरोपियों को फांसी की सजा हो। उनके घर पर बुलडोजर चले। हमारे बेटे को न्याय मिलना चाहिए। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने कहा कि इस मामले की सही और निष्पक्ष जांच होगी। आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। परिवार को मुआवजा भी दिया जाएगा। वहीं, पुलिस ने इस मामले में जिन आरोपियों को गिरफ्तार किया है उनमें इमरान उर्फ बंटी (38), उमरदीन (49), जुम्मादीन (36), कमरुद्दीन (36), मुस्ताक (46), मुजफ्फर (25) और ताहिर (18) के नाम हैं। एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया गया है।



हमला कर दिया। आरोपियों ने तरुण को जमकर पीटा, इससे भी मन नहीं भरा तो बड़ा सा पत्थर लेकर तरुण की छाती पर मार दिया। तरुण के पिता और परिवार के अन्य लोगों से भी मारपीट की गई। बाद में गंभीर घायल तरुण को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

6 मार्च को विश्व हिंदू परिषद का प्रदर्शन किया

घटना के विरोध में बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने उत्तम नगर ईस्ट मेट्रो स्टेशन के पास प्रदर्शन किया। इस दौरान सड़क जाम की गई। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के बाद ट्रैफिक खोला था। वहीं, घटना से गुस्साए लोगों ने आरोपी निजामुद्दीन के घर के बाहर खड़ी कार और बाइक में आग लगा दी। इसके अलावा उनके घर का सामान भी जला दिया। जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग बुझाई। पुलिस इलाके की ड्रोन से निगरानी कर रही है।

टीम इंडिया की जीत के लिए प्रार्थनाएं शुरू

भारत-न्यूजीलैंड फाइनल को लेकर लोगों ने की तैयारियां, पहले बैटिंग करेगी टीम इंडिया



भोपाल। भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी-20 फाइनल मुकाबले को लेकर क्रिकेट प्रेमियों के बीच जबरदस्त उत्साह है। मैच को लेकर बाजारों, चौराहों, कैफे और कॉलोनीयों में मैच को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं और लोग अपनी-अपनी तरह से मैच देखने की तैयारियां में जुट गए हैं। टीम इंडिया पहले बल्लेबाजी करेगी। शहर के कई दाबों, रेस्टोरेंट और कैफे में बड़े एलईडी स्क्रीन लगाई गई हैं ताकि क्रिकेट प्रेमी एक साथ बैठकर फाइनल मुकाबले का आनंद ले सकें। कई स्थानों पर विशेष ऑफर और क्रिकेट प्रीमि

तिरंगा झंडा और टीम इंडिया की जर्सी के साथ फाइनल मुकाबले को जीतने का इंतजार कर रहे हैं। खेल प्रेमियों का कहना है कि लंबे समय बाद भारत को एक और बड़ा खिताब जीतने का मौका मिला है, इसलिए सभी की निगाहें इस मैच पर टिकी हुई हैं। दूसरी ओर मॉडरि में भी टीम इंडिया की जीत के लिए प्रार्थनाएं की गई हैं। क्रिकेट प्रेमियों को उम्मीद है कि भारतीय टीम शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड को हराकर खिताब अपने नाम करेगी।

इंदौर में मिसाइलों से उड़ा गुलाल, रंगीन हो गया आकाश

इंदौर/उज्जैन/भोपाल/ग्वालियर/जबलपुर। रंगपंचमी पर्व पर रविवार को मध्य प्रदेश रंगों और गुलाल से सराबोर रहा। इंदौर में टोरी कॉर्नर की गेर में तीन टैंकरों पर मिसाइलें लगाकर रंग बरसाया गया। ऑपरेशन सिंदूर की याद में टैंक से रंगीन पानी की बोछार की गई। नगर निगम की गेर में हाथी की प्रतिकृति की सूंड से रंगीन पानी लोगों पर डाला गया। इस दौरान इतना गुलाल उड़ा कि आकाश रंगीन नजर आने लगा। मॉरल क्लब समिति की गेर में 15 ब्लोअर मशीनें, 6 डीजे गाड़ियां, एक बड़ी बोरिंग मशीन और 6 ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर अलग-अलग झांकियां चलती रहीं। संगम कॉर्नर समिति की गेर में बरसाना की टीम ने लडुमार होली खेली। राधा-कृष्ण की जोड़ी ने रास रचाया। युवाओं की टोली होली गीत और देशभक्ति के तारनों पर नाचती-झूमती रही। इससे पहले रंगोत्सव की शुरुआत उज्जैन में बाबा महाकाल को केसरयुक्त जल अर्पित करके की गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ध्वज पूजन किया। बाबा का अभिषेक करने के बाद प्रदक्षिणा की। तलवारबाजी के जौहर भी दिखाए।

8 हजार जूनियर डॉक्टर कल से हड़ताल पर OPD सेवाएं नहीं देंगे, ऑपरेशन भी टलेंगे; सिर्फ इमरजेंसी में मरीजों को मिलेगा इलाज

भोपाल। मध्य प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में कार्यरत करीब 8 हजार रेजिडेंट डॉक्टर सोमवार से हड़ताल पर जा सकते हैं। लॉबित स्ट्राइक संशोधन लागू नहीं होने के विरोध में जूनियर डॉक्टरों ने रविवार को प्रदेशभर के अलग-अलग मेडिकल कॉलेजों में हज्रतिरस मार्च निकाला। डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो सोमवार से OPD सेवाएं नहीं देंगे। ऑपरेशन थिएटर (OT) में भी केवल अति गंभीर मरीजों का ही इलाज किया जाएगा। इससे हर्निया, रॉड इन्फ्लैंट जैसे सामान्य ऑपरेशन के लिए मरीजों को इंतजार करना पड़ सकता है। रविवार को निकाला जस्टिस मार्च-विरोध के अगले चरण में रविवार को प्रदेश के विभिन्न शासकीय मेडिकल कॉलेज परिसरों में



हज्रतिरस मार्च निकाली गई। राजधानी भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज में दोपहर करीब 12 बजे सभी रेजिडेंट डॉक्टर एडमिन ब्लॉक पर एकत्र हुए। इसके बाद पूरे कैम्पस और आसपास के इलाकों में रैली निकालकर नारेबाजी की गई। डॉक्टरों ने कहा कि यह मार्च शांतिपूर्ण तरीके से आयोजित किया गया और सरकार से जल्द मांगें पूरी करने का अनुरोध किया गया है, ताकि आंदोलन को आगे बढ़ाने की जरूरत न पड़े।

तीन दिन से काली पट्टी बांधकर कर रहे विरोध- जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन (खडूअ) के नेतृत्व में रेजिडेंट डॉक्टर, सीनियर रेजिडेंट और इंटरन पिछले तीन दिनों से शांतिपूर्ण विरोध कर रहे हैं। डॉक्टर काली पट्टी बांधकर प्रतीकात्मक प्रदर्शन कर रहे हैं और सरकार से जल्द निर्णय लेने की मांग कर रहे हैं। डॉक्टरों का कहना है कि उनका उद्देश्य सरकार और जिम्मेदार अधिकारियों का ध्यान इस समस्या की ओर आकर्षित करना है। JDA से जुड़े डॉ. ब्रिजेंद्र ने बताया कि मध्य प्रदेश शासन के 7 जुन 2021 के आदेश के अनुसार उदक आधारित स्ट्राइक संशोधन 1 अप्रैल 2025 से लागू होना था। इसके बावजूद अब तक न तो संशोधित स्ट्राइक लागू किया गया है और न ही अप्रैल 2025 से देय एरियर का भुगतान किया गया है।

बेरुत के होटल को निशाना बनाया, हिजबुल्लाह ने जवाबी हमले का दावा किया लेबनान में इजराइली हमले में 15 की मौत

तेल अवीव/तेहरान। लेबनान में शनिवार रात हुए इजराइल के हवाई हमलों में 15 लोगों की मौत हुई है। इसके अलावा 15 लोग घायल हुए हैं। हमलों में राजधानी बेरुत के एक होटल को निशाना बनाया गया, जहां युद्ध के कारण विस्थापित लोग ठहरे हुए थे। लेबनान की नेशनल न्यूज एजेंसी के मुताबिक होटल पर हुए हमले में चार लोगों की मौत हुई। वहीं जबल अल-बतूम और कफ्र रुम्मान शहरों में हुए हमलों में पांच लोगों की जान गई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देश के कई अन्य हिस्सों में भी इजराइली एयर स्ट्राइक हुई हैं। इस बीच इरान समर्थित हिजबुल्लाह ने जवाबी कार्रवाई का दावा किया है। संगठन ने कहा कि उसके लड़ाकों ने अल-मलिकिया सैन्य ठिकाने पर मौजूद इजराइली सैनिकों को रॉकेटों से निशाना बनाया। हिजबुल्लाह ने उत्तरी इजराइल के किरयात शमोना शहर



बयान में कहा कि ऐसे फैसले नागरिकों की जान को खतरे में डालते हैं। बयान के मुताबिक जब किसी स्थान का इस्तेमाल सैन्य गतिविधियों के लिए किया जाता है, तो अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत वह जगह वैध सैन्य लक्ष्य बन सकती है।

पर कामीकाजे ड्रोन हमले का भी दावा किया। इजराइल बोला- इरान ने हमारी ओर मिसाइलें दागीं- इजराइली सेना ने कहा है कि इरान से उसकी ओर मिसाइलें दागी गई हैं। सेना के मुताबिक इजराइल का एयर डिफेंस सिस्टम इन प्रोजेक्टाइल को इंटरसेप्ट करने के लिए एक्टिव कर दिया गया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने इरान के नागरिकों से घरों के अंदर रहने की अपील की है। अमेरिका का आरोप है कि इरानी सेना घनी आबादी वाले इलाकों से ड्रोन और मिसाइल लॉन्च कर रही है। उएठउडउट ने बयान में कहा कि ऐसे फैसले नागरिकों की जान को खतरे में डालते हैं। बयान के मुताबिक जब किसी स्थान का इस्तेमाल सैन्य गतिविधियों के लिए किया जाता है, तो अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत वह जगह वैध सैन्य लक्ष्य बन सकती है।



नाक काटने की कोशिश; बोले- खून का बदला लेंगे

प्रयागराज। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर बटुकों से यौन उत्पीड़न की ऋद्ध कराने वाले आशुतोष महाराज पर रविवार को चलती ट्रेन में जानलेवा हमला हुआ। आशुतोष महाराज ने बताया- मैं रीवा एक्सप्रेस ट्रेन से गाजियाबाद से प्रयागराज जा रहा था। फर्स्ट अंड कोच में बैठा था। रास्ते में सिराथू रेलवे स्टेशन के पास सुबह करीब 5 बजे टॉयलेट के लिए उठा। बाहर गेट पर एक आदमी खड़ा था। आगे बढ़ा तो उसने पीछे से हमला कर दिया। धारदार हथियार से उसने मेरी नाक काटने की कोशिश की। चेहरे और हाथ पर कई वार किए। गंभीर चोटें आईं। काफी खून बहा। आशुतोष ब्रह्मचारी के मुताबिक, वह किसी तरह अपनी जान बचाकर भागे और ट्रेन के टॉयलेट में खुद को बंद कर लिया। वहीं से जीआरपी को फोन करके घटना की जानकारी दी। उन्होंने हमले के पीछे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद, उनके शिष्य मुकुंदनंद समेत अन्य को जिम्मेदार ठहराया है। फिलहाल, अभी ऋद्ध नहीं हुई है। हमले पर शंकराचार्य ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा- यह सब दिखावा है। आशुतोष माहौल बनाने और सुरक्षा पाने के लिए ऐसा कह रहे हैं। हमारे ऊपर आरोप लगाने का मकसद सिर्फ मीडिया का अटेंशन पाना है। यह यात्रा से ध्यान भटकाने की कोशिश है। आशुतोष ने शंकराचार्य को जवाब दिया है। उन्होंने कहा- हम एक-एक बूंद खून का बदला लेंगे। हमलावर कह रहा था कि तुम्हारी नाक काट कर अपने गुरू के चरणों में

शंकराचार्य पर FIR कराने वाले आशुतोष महाराज पर हमला: चलती ट्रेन में चाकू मारे

चढ़ाना है। हम उनको (शंकराचार्य) कानून से मारेंगे। जो झूठ बोल रहे हैं। अपने ऊपर कोई कैसे हमला करा होगा। वह अपनी नाक कटवाकर देख लें। धर्मयुद्ध यात्रा के दौरान रायबरेली में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा- आशुतोष महाराज नाटक कर रहे हैं। क्या भारत सरकार की रेल सुरक्षित नहीं रह गई है। इसका जवाब केंद्र को देना होगा। धर्मयुद्ध यात्रा के दौरान रायबरेली में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा- आशुतोष महाराज नाटक कर रहे हैं। क्या भारत सरकार की रेल सुरक्षित नहीं रह गई है। इसका जवाब केंद्र को देना होगा। शंकराचार्य की गिरफ्तारी पर हाईकोर्ट ने लगाई थी रोक- आशुतोष महाराज, जगदुरु रामभद्राचार्य के शिष्य हैं। उन पर 21 FIR हैं। उन्होंने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पर 21 फरवरी को 2 बटुकों के यौन शापण की FIR दर्ज कराई थी। शंकराचार्य की गिरफ्तारी पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रोक लगा रखी है। मार्च के तीसरे हफ्ते में अग्रिम जमानत पर सुनवाई होगी। आशुतोष महाराज पर हमले मामले से जुड़े पल-पल के अपडेट के लिए लाइव ब्लॉग से गुजर जाइए- आशुतोष महाराज पर हमले को लेकर शंकराचार्य ने कहा- सरकार आशुतोष को सुरक्षा दे। ताकि वे हमारे खिलाफ जो भी प्रमाण कोर्ट में जमा करने जा रहे थे, उसे जमा कर सकें। हम बिब्लुन नहीं चाहते हैं कि उनके पास अगर हमारे विरुद्ध कोई प्रमाण है तो उसको रोक जाए।

मां रेवा पब्लिकेशन एंड प्रिंटर्स
जबलपुर शहर में सबसे कम दामों में

प्रिंटिंग
जॉब वर्क
न्यूज पेपर
पीडीएफ

समाचार पत्र के A to Z कार्य का एकमात्र स्थान

संपर्क करें
7415685293
9589490996
9340553112

68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वाई, मुस्कान प्लाजा के पीछे, एम आर 4 रोड, उखरी, जबलपुर (मप्र)

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक प्रेरणादायक और उत्साहपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन

जबलपुर में भाई ने कर दी बहन के दोस्त की हत्या, तो उसने फांसी लगाकर दे दी जान



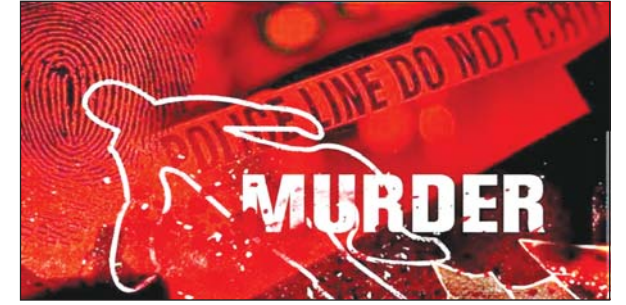
दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में आज 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर फिट इंडिया वूमन्स वीक 2026 का आयोजन कलेक्टर सभागार में किया गया। जिसमें जिला पंचायत

स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास समिति की सभापति श्रीमती मोनू पुष्पराज बघेल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक गहलोत ने की। इस अवसर पर महिला एवं

बाल विकास विभाग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 73 महिला अधिकारी-कर्मचारियों को उनके समर्पण और योगदान के लिए सम्मानित किया गया। ये महिलाएं समाज में सशक्तिकरण और विकास की मिसाल हैं। जिला पंचायत के

मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक गहलोत ने अपने संबोधन में समाज में महिलाओं के बहुमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला और कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में मजबूती से आगे बढ़ रही हैं। मुख्य अतिथि श्रीमती मोनू पुष्पराज बघेल ने महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक स्वतंत्रता के माध्यम से महिलाएं न केवल खुद मजबूत होंगी, बल्कि समाज को भी नई दिशा देंगी। कार्यक्रम में विभागीय सभी अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे और इसने महिलाओं की उपलब्धियों को सराहने तथा उन्हें प्रोत्साहित करने का एक शानदार मंच प्रदान किया। फिट इंडिया वूमन्स वीक के तहत यह आयोजन महिलाओं के स्वास्थ्य, फिटनेस और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो पूरे जिले में सकारात्मक संदेश दे रहा है।

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। मझौली थाना क्षेत्र के ग्राम पडुरिया में धुरेड़ी के दिन ग्राम खबरा निवासी अर्जुन सिंह गौड़ उर्फ अजू (24) की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी। जिसे आरोपित की बहन ने देख लिया। दो दिन बाद उसने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटनाक्रम से युवक की हत्या के मामले में नया मोड़ आ गया है। जांच में पता चला है कि जिस युवक की हत्या की गई उससे आरोपित की बहन की दोस्ती थी। पुलिस मामले में अब विस्तृत जांच पड़ताल कर रही है। युवक की बहन के फोन कॉल विवरण निकलवाया जा रहा है। उनकी दोस्ती के बारे में और जानकारी ली जा रही है। युवती की आत्महत्या के किसी अन्य कारण को लेकर भी छानबीन



की जा रही है। रास्ता रोका और सिर पर मार दी कुल्हाड़ी-अर्जुन सिंह धुरेड़ी वाले दिन मोटरसाइकिल से ग्राम पडुआ पिपरिया से जा रहा था। तभी मयंक सेन ने उसका रास्ता रोका। उसकी बहन को घूरने की बात कहकर अर्जुन से विरोध जताया। इसी बात को लेकर उनके बीच बुधवार को कहासुनी हुई। पूर्व में की गई छेड़खानी के कारण भी मयंक, अर्जुन से रंजित रखा था। गुस्से में आकर उसने कुल्हाड़ी से अर्जुन के सिर पर प्रहार कर

दिया। उसकी हत्या कर दी। घर पर अकेली थी, फंदे पर झूल रही थी वारदात के अगले दिन पुलिस ने आरोपित मयंक सेन को गिरफ्तार कर लिया। उसके घर पर शुक्रवार को मां मीरा और बहन साक्षी (20) थी। मीरा शाम को कुछ काम से घर से बाहर निकली। वापस आकर देखा तो साक्षी कमरे में फंदे पर झूल रही थी। उसकी मौत हो चुकी थी। अर्जुन की हत्या उसी वक्त हुई थी जब वह साक्षी के घर के सामने से जा रहा था। वारदात को साक्षी ने देखा था।

मदन महल पहाड़ी से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई जारी, परिवारों का शांतिपूर्वक पुनर्वास शुरू

शहीद स्मारक में गुंजी शास्त्रीय संगीत की स्वर लहरियां, राग मंत्र संगीत सभा में पं. उल्हास कशालकर का मनमोहक गायन

निगम, राजस्व और पुलिस की मौजूदगी में हो रही शिफ्टिंग, 715 अतिक्रमण चिह्नित



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। शहर की ऐतिहासिक मदन महल पहाड़ी से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के बीच प्रशासन ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की प्रक्रिया तेज कर दी है। कार्रवाई के दूसरे दिन रविवार को बुलडोजर की कार्रवाई फिलहाल रोक दी गई और प्रशासनिक अमला लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट कराने में जुटा रहा। मौके पर जबलपुर नगर निगम, राजस्व विभाग और पुलिस बल की टीम तैनात रही। अधिकारियों की निगरानी में कर्मचारी परिवारों का सामान समेटने, उसे वाहनों में लोड करने और नई जगह तक पहुंचाने में मदद करते नजर आए। प्रशासन ने

प्रभावित परिवारों के लिए वैकल्पिक बसाहट की व्यवस्था तेवर और भद्रपुरा बस्ती के फेज-1 व फेज-2 में की है, जहां लोगों को बसाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

स्वेच्छ से घर खाली कर रहे लोग

प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार अब अधिकांश लोगों को यह स्पष्ट हो चुका है कि सुप्रिम कोर्ट के निर्देश के बाद मदन महल पहाड़ी क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त करना अनिवार्य है। यही वजह है कि बड़ी संख्या में परिवार स्वेच्छा से अपना सामान समेट रहे हैं और प्रशासन से पर्ची लेकर

निर्धारित पुनर्वास स्थलों की ओर जा रहे हैं। रविवार को पूरे दिन प्रशासनिक टीम लोगों को व्यवस्थित तरीके से स्थानांतरित कराने में जुटी रही। कई परिवार अपने घरों का सामान ट्रैक्टर-ट्रॉली और छोटे वाहनों में भरकर नए ठिकानों की ओर जाते दिखाई दिए। प्रशासन की ओर से कर्मचारियों को इस बात के निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी परिवार को शिफ्टिंग के दौरान परेशानी न हो और पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो।

प्रशासन की सतर्क निगरानी

पूरे क्षेत्र में शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल लगातार तैनात है। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि अब तक कार्रवाई शांतिपूर्ण तरीके से चल रही है और स्थानीय लोगों का भी सहयोग मिल रहा है। प्रशासन का मानना है कि प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के साथ-साथ अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद मदन महल पहाड़ी क्षेत्र को व्यवस्थित रूप से विकसित करने की दिशा में भी कदम उठाए जाएंगे।

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। आर्ट हब, हैदराबाद एवं आई.टी.सी. कोलकाता के संयुक्त तत्वाधान में स्थानीय शहीद स्मारक सभा गृह में राग मंत्र शास्त्रीय संगीत सभा का भव्य आयोजन किया गया। इस गरिमामय संगीत संध्या में पुणे से पधारे सुप्रसिद्ध शास्त्रीय गायक पद्मश्री पंडित उल्हास कशालकर के गायन तथा आई.टी.सी. कोलकाता से पधारे श्री शौनक रॉय के सरोद वादन ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष पद्मश्री पंडित सुरेश तलवलकर एवं पद्मश्री पंडित उल्हास कशालकर द्वारा दीप प्रज्वलन एवं मातृपार्षण के साथ हुआ। कार्यक्रम के प्रथम चरण में कोलकाता से पधारे श्री शौनक रॉय ने सरोद वादन प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने वादन की शुरूआत राग छान्दाट से की और तीनताल में दो बंदिशें प्रस्तुत कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने राग शुद्ध वसंत में दो गतें प्रस्तुत कीं। उनके साथ तबले पर कोलकाता से पधारे श्री जयंत सरकार ने अत्यंत मधुर, प्रशंसनीय एवं सधी हुई संगत कर प्रस्तुति को और भी प्रभावी बना दिया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में पुणे से पधारे सुप्रसिद्ध शास्त्रीय गायक पद्मश्री पंडित उल्हास कशालकर का गायन हुआ। उनकी गायकी में ग्वालियर, आगरा एवं जयपुर घराने



की परंपराओं का अद्भुत समन्वय देखने को मिला। उन्होंने अपने गायन की शुरूआत राग नंद से की और तीनताल में विलंबित ख्याल तथा छोटा ख्याल प्रस्तुत कर श्रोताओं को शास्त्रीय संगीत के सुरों में डुबो

दिया। उनके साथ तबले पर संगत पुणे से पधारे पद्मश्री पंडित तालयोगी सुरेश तलवलकर ने की। इस अनोखी जोड़ी की प्रस्तुति जबलपुर के रसिक श्रोताओं के लिए अविस्मरणीय बन गई। उपस्थित श्रोताओं ने पूरे कार्यक्रम का भरपूर रसानंद लिया और कलाकारों की प्रस्तुति की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में संयोजक प्रोफेसर अखिलेश संप्रे ने सभी कलाकारों, सहयोगियों एवं श्रोताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। आयोजन में सहयोग देने हेतु डॉ. एम. श्रीनिवास राव, माधुरी कानेटकर, प्रकाश शिंदे, प्रशांत पाठक, आलोक संप्रे एवं संजय सोनी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

जबलपुर में मिली महिला की लाश, गले और पेट पर मिले चोट के निशान; हाथ पर फूल का टैटू

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। रानीताल खेल मैदान के समीप झाड़ियों में सुबह-सुबह एक महिला की लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी मच गई। सूचना पर एएसपी शहर आयुष गुप्ता, थाना प्रभारी लार्डगंज नवल सिंह आर्य और एफएसएल प्रभारी मौके पर पहुंचे। टीम ने प्राथमिक जांच-पड़ताल के बाद लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। लार्डगंज पुलिस ने बताया कि रानीताल खेल मैदान की दीवार के समीप झाड़ियों के बीच एक महिला की लाश मिली है। प्राथमिक जांच में महिला के गले और पेट में चोट के निशान और खून दिखाई दे रहा है। प्रथम



दृष्टया प्रतीत हो रहा है कि किसी ने महिला की हत्या कर लाश को दीवार के किनारे फेंका है। महिला की पहचान नहीं हो सकी है। महिला ब्लैक कलर की गाउन पहने हुए है। दाहिने हाथ में गुदना से फूल बना हुआ

है। बताया जाता है कि वारदात को अंजाम देने वाले ने गर्दन और पेट पर धारदार हथियार से हमला किया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। आशंका है कि लाश शनिवार रात में उक्त स्थान में फेंकी गई है। एएसपी शहर आयुष गुप्ता ने बताया कि स्टेडियम की बाउंड्रीवॉल के समीप एक अज्ञात महिला का शव मिला है। उसकी उम्र करीब 25-30 साल के आसपास है। सड़क किनारे झुग्गी बनाकर रहने वालों ने लाश पड़ी होने की सूचना दी थी। शिनाख्त के हरसंभव प्रयास कराते हुए मामले की विस्तृत जांच पड़ताल कराई जा रही है।

चरणबद्ध तरीके से हटाया जाएगा अतिक्रमण

प्रशासन के अनुसार मदन महल पहाड़ी के राजस्व ग्राम पुरवा क्षेत्र में करीब 715 अतिक्रमण चिह्नित किए गए हैं। इन्हें हटाने की कार्रवाई चरणबद्ध तरीके से की जा रही है। पहले चरण में लोगों को पुनर्वास स्थल पर बसाने की व्यवस्था की जा रही है, उसके बाद अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को आगे बढ़ाया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि अदालत के आदेशों का पालन करते हुए पूरे क्षेत्र को व्यवस्थित रूप से खाली कराया जाएगा, ताकि ऐतिहासिक और पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण इस पहाड़ी क्षेत्र को सुरक्षित रखा जा सके।

प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार अब अधिकांश लोगों को यह स्पष्ट हो चुका है कि सुप्रिम कोर्ट के निर्देश के बाद मदन महल पहाड़ी क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त करना अनिवार्य है। यही वजह है कि बड़ी संख्या में परिवार स्वेच्छा से अपना सामान समेट रहे हैं और प्रशासन से पर्ची लेकर

पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह के सोमवार के कार्यक्रम

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। प्रदेश की पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह जबलपुर प्रवास के दौरान सोमवार 9 मार्च को सुबह 10 बजे रानीताल स्थित पार्टी के संभागीय कार्यालय में आयोजित कार्यशाला में शामिल होंगी तथा शाम 4.30 बजे कार द्वारा भोपाल प्रस्थान करेंगी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्रीमती सिंह का आज रविवार 8 मार्च को देर शाम मैर से कार द्वारा जबलपुर आगमन होगा।

उर्फ लकड़नाथ सपेरा (30) निवासी ग्राम बाचावानी, थाना बनखेड़ी जिला नर्मदापुरम बताया। पूछताछ के दौरान उसने स्वीकार किया कि उसने पिपरिया स्टेशन से ट्रेन चलने के बाद विंध्याचल एक्सप्रेस में महिला यात्री का पर्स चोरी किया था। बाद में उसने चोरी किया गया पर्स और जेवर बनखेड़ी रेलवे स्टेशन पर प्याऊ के पीछे छिपाकर रख दिए थे। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी का पूरा सामान बरामद कर लिया। आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी आपराधिक प्रकरण दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय पिपरिया में पेश किया, जहां से उसे उप जेल पिपरिया भेज दिया गया। पूरी कार्रवाई में जीआरपी गाडरवारा के थाना प्रभारी उपनिरीक्षक एल.पी. झारिया, जीआरपी चौकी पिपरिया के प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक व्ही.पी. पार्सी, प्रधान आरक्षक योगेश पचौरी, आरक्षक संगीत इवने, शिवम सिंह राठौर, शिवप्रताप सिंह तथा रेल रक्षा समिति सदस्य राज सनस की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

म.प्र. राज्य अधिवक्ता परिषद के आगामी चुनाव वर्ष 2026 में सदस्य पद हेतु आपकी प्रथम वरीयता मत का आकांक्षी गोपाल सिंह बघेल (अधिवक्ता)

म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)

पता - हॉल नं 3 सीट नं 7 विधि भवन, म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)

कार्यालय-निवास
कृष्णा कॉलोनी के पास राज परिसर सुहागी, जबलपुर (म.प्र.)

Mob.: 9229653295, 8989141208, 7987512717



निःशुल्क नेत्र शिविर में 150 मरीज लाभान्वित

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। बजरंग नगर करमेता में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ तरुण अहरवाल, डॉ आकाश गुहेरिया, डॉ प्रियंक दुबे ने 150 मरीजों की जांच की। इनमें से 10 मरीजों को निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन के लिए भेजा गया।

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। चलती ट्रेन में यात्रियों को निशाना बनाकर चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले एक शातिर बदमाश को रेल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से करीब 1 लाख 15 हजार रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवर बरामद किए गए हैं। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। रेल पुलिस के अनुसार 12 अप्रैल को रंजना कहार (42) निवासी निरंजन वार्ड, थाना गाडरवारा अपने पति रघुनंद कहार के साथ ट्रेन क्रमांक 11271 विंध्याचल एक्सप्रेस के सामान्य डिब्बे में यात्रा कर रही थीं। यात्रा के दौरान किसी अज्ञात बदमाश ने उनका छोटा पर्स चोरी कर लिया। पर्स में सोने का मंगलसूत्र, सोने की पांचाली तथा चांदी की पायल सहित लगभग 1 लाख 15 हजार रुपये के जेवर रखे हुए थे। पीड़िता की शिकायत पर रेल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक संदिग्ध व्यक्ति बनखेड़ी रेलवे स्टेशन पर किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहा है। सूचना मिलते ही पिपरिया रेल पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंची और मुखबिर की निशानदेही पर घेराबंदी कर संदिग्ध युवक को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम राजू

विंध्याचल एक्सप्रेस में महिला यात्री का पर्स चोरी करने वाला शातिर गिरफ्तार

1 लाख 15 हजार रुपये के जेवर बरामद, जीआरपी की कार्रवाई



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। चलती ट्रेन में यात्रियों को निशाना बनाकर चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले एक शातिर बदमाश को रेल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से करीब 1 लाख 15 हजार रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवर बरामद किए गए हैं। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। रेल पुलिस के अनुसार 12 अप्रैल को रंजना कहार (42) निवासी निरंजन वार्ड, थाना गाडरवारा अपने पति रघुनंद कहार के साथ ट्रेन क्रमांक 11271 विंध्याचल एक्सप्रेस के सामान्य डिब्बे में यात्रा कर रही थीं। यात्रा के दौरान किसी अज्ञात बदमाश ने उनका छोटा पर्स चोरी कर लिया। पर्स में सोने का मंगलसूत्र, सोने की पांचाली तथा चांदी की पायल सहित लगभग 1 लाख 15 हजार रुपये के जेवर रखे हुए थे। पीड़िता की शिकायत पर रेल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक संदिग्ध व्यक्ति बनखेड़ी रेलवे स्टेशन पर किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहा है। सूचना मिलते ही पिपरिया रेल पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंची और मुखबिर की निशानदेही पर घेराबंदी कर संदिग्ध युवक को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम राजू

पसान की नल-जल योजना बनी अभिशाप, सात साल बाद भी अधूरा काम-जनता त्रस्त, जिम्मेदार मौन

गड्डे में गिरकर कई लोग हो चुके हैं घायल, गड्डे के कारण पैदल चलना भी हुआ मुश्किल

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। नगर पालिका परिषद पसान में करोड़ों रुपये की लागत से संचालित शहरी नल-जल योजना अब नागरिकों के लिए राहत नहीं बल्कि अभिशाप बन चुकी है। सात वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी योजना अधूरी पड़ी है। हालात यह हैं कि लोगों को पानी तो नहीं मिल रहा, लेकिन टूटी सड़कों, खुले गड्डों और धूल-कीचड़ की समस्या जरूर झेलनी पड़ रही है। यह योजना प्रारंभ में सेंट्रल इंडिया इंजीनियरिंग, नागपुर को दी गई थी, जिसे आगे पेटी कौटिक के रूप में अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड, भोपाल को सौंप दिया गया। दोनों एजेंसियों की लापरवाही, टहलवक अधिकारियों की उदासीनता और कथित मिलवक के कारण यह योजना अब भारी अव्यवस्था का शिकार हो गई है। नगर के अधिकांश वाडों में सीसी और बीटी सड़कों को बिना किसी ठोस योजना के जगह-जगह काट दिया गया। कई स्थानों पर पाइपलाइन डालकर कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है। चेंबर बिना ढक्कन के खुले पड़े हैं, पाइपलाइनें जमीन से बाहर दिखाई दे रही हैं और कई नई सड़कें भी जगह-जगह धंस



चुकी है। स्थिति यह है कि कई मार्ग महीनों से गहरे गड्डों में तब्दील हैं। वाहन चालकों और पैदल चलने वालों के लिए यह रास्ते बेहद खतरनाक बन चुके हैं। कई लोग इन गड्डों में गिरकर घायल भी हो चुके हैं, लेकिन जिम्मेदार विभागों की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। सबसे गंभीर लापरवाही केवाई नदी पर पानी रोकने के लिए बनाए गए डैम के मामले में सामने आई। यह डैम पहली ही बारिश में बह गया, लेकिन आज तक उसकी मरम्मत नहीं कराई गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस डैम के सहारे पूरी पेयजल योजना संचालित होनी थी,

वही बह जाने के बाद भी किसी एजेंसी या टहलवक अधिकारी ने इसकी जिम्मेदारी तय करने की कोशिश नहीं की। डैम आज भी उसी स्थिति में पड़ा हुआ है। पसान के वाडों में रहने वाले लोगों का कहना है कि पूरा कस्बा धूल, कीचड़ और खुदाई से पटी सड़कों में बदल गया है और आने वाले दिनों में स्थिति और खराब हो सकती है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि पूरे प्रोजेक्ट में भारी अनियमितताएं और भ्रष्टाचार हुआ है। क्षेत्र में प्लाश श्रीवास्तव नामक व्यक्ति पर भी स्थानीय स्तर पर कथित रूप से अनियमितताओं को बढ़ावा देने के

आरोप लगाए जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो तो कई बड़े खुलासे सामने आ सकते हैं। कलेक्टर के आदेश के बाद भी न सड़कों की मरम्मत हुई, न गड्डे भरे गए, न ही डैम का पुनर्निर्माण हुआ और न ही पाइपलाइन से जल आपूर्ति शुरू हो सकी। नगरवासियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए और दोषी एजेंसियों तथा अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि अधूरे और कमजोर गुणवत्ता वाले कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा कराया जा सके।

इनका कहना है।

कार्य पूरी तरह बंद नहीं है। कुछ स्थानों पर काम चल रहा है और कुछ जगहों पर नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा कार्य रुकवाया गया था। उन्होंने बताया कि केवाई नदी पर बह चुके डैम का पुनः निर्माण किया जाएगा, लेकिन वर्तमान में नदी में पानी होने के कारण कार्य कर पाना संभव नहीं है।

विजय सिंह, प्रोजेक्ट मैनेजर, एमपीयूडीसी, शहडोल

पुलिस की पहल से गुम हुए 14 मोबाइल बरामद

अनुपपुर। पुलिस अधीक्षक अनुपपुर मोती उर रहमान के आदेशानुसार थाना बिजुरी पुलिस द्वारा गुम हुए मोबाइलों की तलाश हेतु विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान थाना बिजुरी पुलिस ने विभिन्न स्थानों से गुम हुए 14 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को वापस किए, जिससे मोबाइल मालिकों के चेहरे पर खुशी लौट आई। 14 बरामद मोबाइलों की कुल कीमत 257,200/ रु है।

भूकंप आपदा 5 दिवसीय प्रशिक्षण 10 मार्च से

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि भूकंप आपदा जोखिम प्रबंधन एवं ध्वस्त संरचना, खोज एवं बचाव अंतर्गत जिला स्तर पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण 10 मार्च 2026 से 14 मार्च 2026 तक जिला पंचायत उमरिया के बांधवगढ़ सभागार में आयोजित किया जाना है। कलेक्टर ने प्रशिक्षण के संचालन हेतु राहुल कुमार साहू प्लाटून कमाण्डर, होमगार्ड उमरिया को प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया है।

आयोग की सचिव की अध्यक्षता में बैठक संपन्न

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन आयोग की सचिव सीमा सोनी (अपर संचालक) द्वारा कलेक्टर सभागार में अनु. जा. एवं अनु.ज.जा. आयोग में लंबित शिकायतों के संबंध में समीक्षा की गई। शिकायतों में पुलिस विभाग, राजस्व विभाग, शिक्षा, कृषि आदि विभागों से संबंधित शिकायतों पर विस्तार से अधिकारियों से चर्चा की गई। बैठक में सचिव द्वारा सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अनु. जाति व अनु.ज.जा.वर्ग के व्यक्तियों के प्रकरणों में तत्परता व संवेदनशीलता के साथ कार्य करें, ताकि समावधि में आयोग से प्राप्त शिकायतों का निराकरण किया जा सके।

संघर्ष, शिक्षा की अद्भुत मिसाल, स्वीपर से बैंक की सहायक महाप्रबंधक तक पहुँची प्रतीक्षा प्रमोद टॉडवलकर

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। विश्व महिला दिवस के अवसर पर ऐसी महिलाओं की जीवनगाथा प्रेरणा देती है जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने साहस, परिश्रम और संकल्प से असाधारण उपलब्धियाँ हासिल कीं। ऐसी ही प्रेरक शख्सियत हैं श्रीमती प्रतीक्षा प्रमोद टॉडवलकर, जिन्होंने जीवन के अनेक उतार-चढ़ाव के बीच संघर्ष करते हुए भारतीय स्टेट बैंक में स्वीपर के रूप में काम शुरू किया। सीमित संसाधनों के बावजूद उनके मन में शिक्षा प्राप्त करने की प्रबल इच्छा थी। उन्होंने नौकरी करते



माता श्रीमती गंगुबाई केवड़े (79 वर्ष) गृहिणी रहीं। अनुसूचित जाति वर्ग से आने वाली श्रीमती टॉडवलकर की प्रारंभिक शिक्षा सातवीं कक्षा तक ही हो पाई थी। सिर्फ 19 वर्ष की उम्र में उन्होंने भारतीय स्टेट बैंक में स्वीपर के पद पर अस्थायी कर्मचारी के रूप में काम शुरू किया। सीमित संसाधनों के बावजूद उनके मन में शिक्षा प्राप्त करने की प्रबल इच्छा थी। उन्होंने नौकरी करते

हुए स्वाध्यायी परीक्षार्थी के रूप में पढ़ाई जारी रखी और दसवीं कक्षा 60% अंकों के साथ प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। इसके बाद कॉमर्स विषय लेकर हायर सेकेंडरी परीक्षा 52% अंकों से उत्तीर्ण की। दिन में बैंक की नौकरी और रात में पढ़ाई-यह क्रम वर्षों तक चलता रहा। 31 मई 2024 को उन्होंने भारतीय स्टेट बैंक के सहायक महाप्रबंधक पद से सेवानिवृत्ति

प्राप्त की। सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने आध्यात्मिक जीवन की ओर भी कदम बढ़ाया। उन्होंने बताया कि उन्होंने पवित्र पुण्य सलिला मां नर्मदा के बारे में सुना था कि उनकी परिक्रमा अत्यंत पुण्यदायी होती है और श्रद्धा से करने पर मनोकामनाएँ पूर्ण होती हैं। इसी भावना से उन्होंने ओंकारेश्वर से मां नर्मदा की परिक्रमा प्रारंभ की और लगभग 111 दिनों की कठिन पैदल यात्रा करते हुए प्रतिदिन लगभग 25 से 30 किलोमीटर चलकर 28 फरवरी 2026 को अपनी परिक्रमा पूर्ण की। नर्मदा परिक्रमा के दौरान वे पवित्र नगरी अमरकंटक भी पहुँचीं, जहाँ तट परिवर्तन एवं जल परिवर्तन की परंपरा निभाई। इस पूरी यात्रा में उनकी हमउम्र सहेली सुनीता गायकवाड भी उनके साथ उठीं।

धुरवासिन फिटर कोटमी के उपभोक्ता बिजली कटौती से त्रस्त, गर्मी शुरू होते ही पानी के लिए हुए मोहताज

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। जिले के कोतमा विद्युत केंद्र के अंतर्गत आने वाले धुरवासिन फिटर कोटमी इलाके में बिजली की समस्या विकराल रूप धारण कर चुकी है। यहाँ बिजली की आपूर्ति आए दिन कई-कई घंटों तक बाधित रहती है, जिससे ग्रामीणों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि आज सुबह लगभग 10 बजे से क्षेत्र की बिजली गुल है, जो शाम 4 बजे तक भी बहाल नहीं हो पाई थी। यानी लगातार करीब 7 घंटे से अधिक समय से उपभोक्ता अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। भीषण गर्मी को देखते हुए यह समस्या और भी विकट हो गई है। बिजली न होने के कारण लोग न तो पंखे, कूलर जैसे उपकरण चला पा रहे हैं और न ही समरशियल मोटर पंप (सिंचाई के लिए इस्तेमाल होने वाला पंप) चल पा रहा है। इसका सीधा असर खेती-किसानी और पेयजल आपूर्ति पर पड़ रहा है। किसान अपने खेतों की सिंचाई नहीं कर पा रहे हैं, वहीं ग्रामीण पीने के पानी के लिए तरस रहे



हैं। उपभोक्ताओं ने बताया कि यह कोई पहला मामला नहीं है, बल्कि यह समस्या नित्य की हो गई है। लाइन में आ रही इस नियमित खराबी (गोल रहना) के कारण उन्हें प्रतिदिन घंटों बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी से बेहाल ग्रामीणों ने कोतमा

विद्युत केंद्र के अधिकारियों से तत्काल संज्ञान लेते हुए लाइन की मरम्मत कराने और नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है। उनका कहना है कि अगर जल्द ही समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

तीन दिवसीय रोटरी राहत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का होगा आयोजन, उपमुख्यमंत्री करेंगे शुभारंभ

11 मार्च को लगेगा रक्तदान शिविर

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 13, 14 और 15 मार्च को शासकीय आईटीआई, रीवा रोड में रोटरी राहत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर का शुभारंभ उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल करेंगे। शिविर में देश के प्रतिष्ठित अस्पतालों के विशेषज्ञ चिकित्सक विभिन्न बीमारियों की जांच, परामर्श और जरूरतमंद मरीजों के ऑपरेशन भी निःशुल्क करेंगे। यह शिविर राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तन्खा के प्रयासों से रोटरी क्लब शहडोल, मण्डला मैकल व जबलपुर, राजकृष्ण तन्खा फाउंडेशन, चिरायु मेडिकल कॉलेज



भोपाल तथा लोक स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा विभाग के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। रोटरी क्लब अध्यक्ष कृष्ण कुमार गुप्ता ने बताया कि शिविर को लेकर कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की निगरानी में तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं। शिविर में मेदांता मेडिसिटी गुरुग्राम, बॉम्बे

हॉस्पिटल और लीलावती हॉस्पिटल मुंबई, मणिपाल हॉस्पिटल नोएडा सहित कई बड़े अस्पतालों के विशेषज्ञ डॉक्टर सेवाएं देंगे। मेडिसिन, कैंसर, हड्डी, स्त्री एवं शिशु रोग, हृदय, नेत्र, त्वचा, मानसिक, दंत और इंफंटो सहित कई विभागों के विशेषज्ञ मरीजों की जांच करेंगे। एक्स-रे,

सोनोग्राफी, ईसीजी, ईको, डायबिटीज और फेफड़ों की जांच जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध रहेंगी। ऑपरेशन के दौरान रक्त की जरूरत को देखते हुए 11 मार्च को जिला चिकित्सालय में रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा, जिससे जरूरतमंद मरीजों को रक्त उपलब्ध कराया जा सके। आयोजकों ने समाजसेवियों और युवाओं से वालेंटियर के रूप में जुड़ने की अपील की है। व्यवस्था में सहयोग करने वालों को आईडी कार्ड भी जारी किए जाएंगे। आयोजकों ने आम नागरिकों से शिविर में पहुंचकर विशेषज्ञ चिकित्सकों से निःशुल्क परामर्श और उपचार का लाभ लेने का आग्रह किया है। आयोजकों ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे शिविर में पहुंचकर विशेषज्ञ चिकित्सकों से निःशुल्क परामर्श और उपचार का लाभ उठाएं।

रंग गुलाल के साथ महिलाओं ने धूमधाम से मनाया रंगों का त्यौहार होली

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। रंग और गुलाल से सरोवर कर एक दूसरे के गले से क्यो मिटाने वाला होली का त्यौहार अपने आप में सचमुच से अनूठा होता है और देश के प्रमुख त्योहारों में से एक है जिसे हर कोई मनाया चाहता है और ऐसे में शहडोल जिले की जागरूक महिलाओं ने भी आपसी एक जुटता का परिचय देते हुए होलीकोत्सव के त्यौहार को काफी धूमधाम से मनाया। इस संबंध में जानकारी देते हुए दीपिका निगम ने बताया कि हम महिलाओं ने आप ही सद्भावना का परिचय देते हुए यह होली मिसन का कार्यक्रम शहडोल जिले के होटल आशियाना में आयोजित किया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से होली के अवसर पर गया जाने वाला फगुआ गीत, सामूहिक नृत्य के साथ-साथ काफी मनोरंजन गेम खेलें साथ ही लजीज व्यंजनों का आनंद लेकर अपने ही अंदाज में हम महिलाओं ने इस उत्सव को मनाया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शहडोल जिले के कावेंट स्कूल की सभी महिला टीचरों के आ जाने से कार्यक्रम की रौनक काफी बढ़ गई थी और



कॉन्वेंट स्कूल की सभी शिक्षकों ने आयोजकों का धन्यवाद देते हुए कहा कि काफी अच्छा कार्यक्रम था तथा हमने मिलकर काफी एंजॉय किया। कार्यक्रम का आयोजन शहडोल जिले की महिला टीम जिनमें प्रमुख रूप दीपिका निगम, नूतन सिंह, गौरी सिंह, स्नेहा अग्रवाल, श्वेताजली पाठक, सहित काफी महिलाओं ने हिस्सा लिया और कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम में भाग लेने वाली सभी महिलाओं का दीपिका निगम और नूतन सिंह चौहान ने टीका लगाकर स्वागत किया तथा पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन किया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नारी शक्ति मैराथन का आयोजन कर सशक्तिकरण का दिया संदेश

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पाली पुलिस ,नगर पालिका परिषद व युवा टीम उमरिया द्वारा नारी शक्ति मैराथन का आयोजन मां बिरासिनी क्रिकेट स्टेडियम पाली में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पाली एसडीओपी शिवचरण बोहित, वार्ड नंबर 12 पार्फंद अंजू पटेल, पाली थाना प्रभारी राजेश चंद्र मिश्रा, बिरासिनी कंप्यूटर इंस्टिट्यूट संस्थापक पवन सम्भर की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर नारी शक्ति मैराथन का आयोजन किया गया। अतिथियों द्वारा मैराथन को हरी झंडी दिखाई गई। मैराथन के प्रतिभागियों ने हाथों में तिरंगा लेकर लगाई दौड़ दिया महिला सशक्तिकरण का संदेश। कार्यक्रम का संचालन करते हुए हिमांशु तिवारी ने महिलाओं के प्रतिभागियों ने महिला सशक्ति रोजगारों पर



प्रकाश डाला। पार्फंद अंजू पटेल व वर्षा गुला ने प्रतिभागियों उत्साह बढ़ाते हुए कहा के आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी उपलब्धियाँ हासिल कर रही हैं उन्होंने बताया कि इस दिवस का उद्देश्य महिला अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है महिला दिवस सिर्फ एक दिन की सराहना नहीं है। यह पूरे साल महिला अधिकारों और समानता के लिए काम करने का प्रतीक है। पाली थाना प्रभारी राजेश चंद्र

मिश्रा व इंस्टिट्यूट संस्थापक पवन सम्भर ने कहा कि नारी शक्ति मैराथन केवल दौड़ नहीं सशक्तिकरण का संदेश है। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की उपलब्धियों, योगदान को याद कर लोगों तक पहुंचाना, लैंगिक समानता व महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में समाज के बीच जागरूकता बढ़ाना है। टीम संयोजक हिमांशु तिवारी ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

प्रतिवर्ष 8 मार्च को विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के प्रति सम्मान, प्रशंसा और प्रेम प्रकट करते हुए, महिलाओं के आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक उपलब्धियों एवं कठिनाइयों की सापेक्षता के उपलक्ष्य में उत्सव के तौर पर मनाया जाता है महिलाओं का सशक्तिकरण केवल एक सामाजिक आवश्यकता नहीं, बल्कि एक प्रगतिशील समाज की पहचान भी है।

आदिवासी बालक आश्रम के समीप बन रही पानी की टंकी से दूर होगी जल समस्या, ग्रामीणों और छात्रों को मिलेगा लाभ

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। जिले के कोतमा बुरहानपुर क्षेत्र के आदिवासी बालक आश्रम के पास जल संकट के स्थायी समाधान के लिए पानी की टंकी का निर्माण कार्य तेजी से शुरू हो गया है। इस परियोजना के पूरा होने से न केवल आश्रम के छात्रों को पर्याप्त मात्रा में पानी मिलेगा, बल्कि पूरे गांव की जल आपूर्ति व्यवस्था भी सुदृढ़ होगी। पिछले लंबे समय से आदिवासी बालक आश्रम के बच्चों को पानी की किल्लत का सामना करना पड़ रहा था। आश्रम के ठीक बगल में बन रही इस विशाल पानी की टंकी से अब छात्रों को दैनिक कार्यों के लिए भरपूर पानी उपलब्ध हो सकेगा, जिससे उनकी पढ़ाई और स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। निर्माण कार्य को गति देने के लिए आवश्यक निर्माण सामग्री को सुरक्षित रखने हेतु आश्रम परिसर के अंदर स्थित एक भवन का उपयोग किया जा रहा है। गौरतलब है कि यह भवन ग्राम पंचायत के अधीन है और परिसर के भीतर स्थित है। निर्माण सामग्री को यहाँ रखने का मुख्य उद्देश्य कार्य में सुगमता लाना है। चूंकि यह पूरी



परियोजना सार्वजनिक हित और गांव के विकास से जुड़ी है, इसलिए स्थानीय प्रशासन और समाजसेवियों का मानना है कि सामग्री भंडारण को लेकर किसी को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। यह निर्माण कार्य न केवल

बच्चों के भविष्य के लिए जरूरी है, बल्कि पूरे गांव की प्यास बुझाने का एक महत्वपूर्ण जरिया बनेगा। ग्रामीणों में इस नई पहल को लेकर उत्साह है और वे जल्द से जल्द काम पूरा होने की उम्मीद कर रहे हैं।

संपादकीय

नीतीश अचानक राज्यसभा!

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अचानक राज्यसभा में जाने का निर्णय क्यों किया है? वह 105 दिन पहले ही 10वीं बार मुख्यमंत्री बने थे। वह 19 साल 4 माह इस पद पर रहे और अब भी 15 अप्रैल तक मुख्यमंत्री बने रह सकते हैं। नया जनादेश भाजपा-जद (यू) और एनडीए को मिला था। विपक्षी राजद को करारी पराजय देकर सत्ता बरकरार रखी गई थी। मुख्यमंत्री की जिस कुर्सी के लिए नीतीश ने ह्यपलट्टरामाह जैसे विशेषण को भी झेल लिया था, उस कुर्सी को अचानक छोड़ने की इच्छा क्यों जताई है? इन सवालों के जवाब तो नीतीश या भाजपा नेतृत्व ही दे सकते हैं, लेकिन यह विस्फोटक राजनीतिक खबर है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इसे ह्यराजनीतिक अपहरण कहकर दिया है। अब बिहार का नया मुख्यमंत्री कौन होगा? यह एक सामान्य सवाल है। निश्चित है कि भाजपा का बीते 20 सालों से संचित सपना साकार होने जा रहा है। नीतीश के बेहद करीबी नेता एवं पूर्व सांसद केशी त्यागी तक ने पुष्टि की है कि मुख्यमंत्री भाजपा का ही होगा। बहरहाल बिहार में चुनाव के दौरान भी नीतीश उम्रदराज और अस्वस्थ थे। विपक्ष के आरोपों को छोड़िए, लेकिन ऐसे कई क्षण सार्वजनिक हुए हैं, जब लगा कि नीतीश मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं हैं। यदि जनादेश मिलने और मुख्यमंत्री बनने के 105 दिनों के बाद ही पद छोड़ कर राज्यसभा में जाने की इच्छा व्यक्त करनी थी, तो नीतीश कुमार मुख्यमंत्री की शपथ ही न लेते। सत्ता के नए पांच साल नीतीश को मिले थे। बढ़ती उम्र और गिरते स्वास्थ्य के बावजूद वह आराम से सरकार चला सकते थे। जनता से जिन वायदों के आधार पर जनादेश हासिल किया था, उन्हें पूरा करने के प्रयास कर सकते थे। यदि अब राज्यसभा में जाकर उन्हें केंद्रीय मंत्री बनाया जाता है, तो उनके पास मंत्रालय, सरकार का नीतिगत एजेंडा, मंत्रालय के रोजमर्रा के दायित्व भी होंगे। यदि नीतीश मुख्यमंत्री बने रहने में असहज, असमर्थ थे, तो वही स्थितियाँ केंद्रीय मंत्री बनने पर भी होंगी। फिर उन्होंने यह फैसला क्यों किया? अथवा भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें बाध्य किया है? सवाल यह भी है कि अब केंद्रीय मंत्री बनकर नीतीश क्या साबित करेंगे? वह केंद्र सरकार में कृषि, रेल, सड़क परिवहन मंत्री रह चुके हैं। नीतीश 6 बार सांसद चुने गए और 6 साल तक केंद्रीय मंत्री रहे। प्रधानमंत्री मोदी उन्हें गृह, वित्त, विदेश, रक्षा जैसे अहम मंत्रालय तो दे नहीं सकते, क्योंकि वहां उनके विश्वास-पात्र मंत्री विराजमान हैं। क्या प्रधानमंत्री नीतीश के लिए उपप्रधानमंत्री के पद का सुजन कर सकते हैं? हमें तो इसके आसार भी नगण्य लगते हैं। फिर नीतीश ने जनादेश को धोखा क्यों दिया है? मझाधार में क्यों छोड़ा है? जद-यू के उन राजनीतिक कार्यकर्ताओं को रोने-बिलखने और सड़क पर प्रदर्शन करने को क्यों छोड़ दिया है, जो अपने शीर्षस्थ नेता के बिना नहीं रह सकते, जो छला-टगा महसूस कर रहे हैं? अभी तक माना जाता रहा है कि नीतीश पर कोई दबाव नहीं डाल सकता और न ही कोई उन्हें बाध्य कर सकता है, लेकिन यह निर्णय उनका अपना नहीं लगता, बेशक उन्होंने सोशल मीडिया पर कुछ भी पोस्ट लिखी है। उन्हें प्रधानमंत्री मोदी या गृहमंत्री अमित शाह के स्तर पर ही बाध्य किया गया लगता है कि अब आप दिल्ली चले आइए और राष्ट्रीय राजनीति में योगदान दीजिए। मुख्यमंत्री पद भाजपा को मिलना चाहिए। हमारा सवाल यह भी है कि यदि नीतीश केंद्र में सक्षम और सक्रिय रहेंगे, तो मुख्यमंत्री के तौर पर क्या दिक्कत थी? कुछ भी व्याख्या कर लें, लेकिन बिहार का मौजूदा जनादेश नीतीश के चेहरे और विजन पर ही दिया गया था। भाजपा ने 89 और जद-यू ने 85 सीटें जीतीं। नीतीश ने जिस तरह बेदाग, निर्विवाद, समावेशी, समाजवादी न्याय, अति पिछड़ों और महिलाओं की राजनीति 45 लंबे सालों तक की है, वह अद्वितीय रही है।

तेल के लिए भारत की नीति पर नए सिरे से विचार की दरकार

पश्चिम एशिया में ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल के सैन्य अभियान और जवाबी हमलों से तनाव बढ़ गया है। संघर्ष की दिशा, अवधि और परिणाम सभी अनिश्चित हैं। भारत के लिए क्या वर्तमान अनुकूल आर्थिक स्थिति (कम मुद्रास्फीति, स्थिर विकास) बनी रह पाएगी, यह आगे तेल की कीमतों के अलावा होर्मुज स्ट्रेट में व्यवधान और नीतिगत प्रतिक्रियाओं पर निर्भर करेगा।

तेल और होर्मुज स्ट्रेट

खाड़ी देशों और होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते तेल आयात पर भारत की निर्भरता उसकी एक कमजोरी है। भारत अपनी घरेलू तेल जरूरतों का 85 फीसदी से अधिक आयात करता है। कच्चे तेल के आयात में लगभग 46 फीसदी हिस्सा इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत का है। होर्मुज स्ट्रेट एक महत्वपूर्ण अवरोध बिंदु है। वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20 फीसदी हिस्सा इसी मार्ग से होकर गुजरता है, जबकि भारत के लिए कच्चे तेल और एलएनजी आयात का लगभग आधा हिस्सा और आयातित एलपीजी का 100 फीसदी हिस्सा इसी स्ट्रेट से होकर पहुंचता है। यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब रूस से भारत में कच्चे तेल की आपूर्ति में कमी आई है। जंग के कारण वाणिज्यिक ऑपरेटर्स और बीमा कंपनियों ने इस मार्ग से अपना कारोबार समेट लिया है। इस वर्ष बहुत बड़े क्रूड कैरियर के हाजिर भाव में 1,100 फीसदी की भारी वृद्धि हुई है, जिससे होर्मुज स्ट्रेट वस्तुतः बंद हो गया है। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि व्यवधान कितने समय तक चलेगा, लेकिन यह जितना लंबा चलेगा, आपूर्ति श्रृंखला पर इसके व्यापक प्रभाव पड़ने का खतरा उतना ही अधिक होगा। तेल और गैस की लगातार ऊंची कीमतें परिवहन लागत बढ़ाती हैं, उर्वरकों की कीमतों पर इसका असर पड़ता है और इससे खाद्य पदार्थों की कीमतें भी बढ़ सकती हैं।

मुद्रास्फीति का बड़ा झटका

भारत जैसे शुद्ध तेल आयातक देश के लिए तेल की कीमतों में वृद्धि एक मुद्रास्फीति संबंधी गतिरोधी झटका है, जिससे दोहरे घाटे की स्थिति और बिगड़ जाती है। ऊर्जा की बढ़ती लागत से कंपनियों के लाभ मार्जिन में कमी आती है,



जिससे आर्थिक वृद्धि दर कमजोर होती है। उच्च मुद्रास्फीति से परिवारों की वास्तविक व्यय योग्य आय कम हो सकती है। बढ़ती अनिश्चितता और वित्तीय बाजार में अस्थिरता से भरोसा कमजोर हो सकता है। हमारे अनुमान के अनुसार, यदि तेल की कीमतों में प्रत्येक 10 फीसदी की वृद्धि पूरी तरह से उपभोक्ताओं पर डाली जाए, तो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर में 0.15 फीसदी अंक की कमी आ सकती है, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति दर में 0.5 फीसदी अंक की वृद्धि हो सकती है और चालू खाते को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 0.4 फीसदी तक झटका लग सकता है। यदि तेल की कीमतों में वृद्धि उपभोक्ताओं पर नहीं डाली जाती है, तो मुद्रास्फीति और आर्थिक वृद्धि पर इसका प्रभाव संभवतः कम होगा, लेकिन राजकोषीय लागत जीडीपी के लगभग 0.15 फीसदी तक अधिक होगी।

अभी घबराने का समय नहीं

तेल की बढ़ती कीमतों के परिणाम खराब होते हैं, लेकिन आर्थिक प्रभाव इस बात पर भी निर्भर करता है कि यह उछाल कितने समय तक रहती है। कीमतों में अचानक लेकिन अस्थायी उछाल को संभालना आसान है, जबकि कीमतों में

लगातार वृद्धि अधिक हानिकारक होगी। फिलहाल यह कहना मुश्किल है कि आगे क्या हालत होगी। किसी भी प्रकार की व्यवधान की स्थिति के लिए कुछ भंडार मौजूद हैं। भारत के वाणिज्यिक कच्चे तेल का भंडार 10 करोड़ बैरल और रणनीतिक भंडार 3.9 करोड़ बैरल है, जो लगभग 30 दिन की कच्चे तेल की खपत और पश्चिम एशिया से 60 दिन की कच्चे तेल की आपूर्ति के बराबर हैं। पेट्रोल और डीजल दोनों के लिए तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के पास कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों को संभालने के लिए कुछ मार्केटिंग मार्जिन बफर मौजूद है। हमारा अनुमान है कि ओएमसी तब तक लाभ में रह सकती हैं जब तक ब्रेट कच्चे तेल की कीमतें 85 डॉलर प्रति बैरल के पार स्थिर रूप से नहीं पहुंच जातीं। महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत की शुरूआती स्थिति कहीं अधिक मजबूत है। पिछले दो वर्षों से मुद्रास्फीति का स्तर नियंत्रण में रहा है, और ऐसे संकेत हैं कि पिछली नीतिगत ढील, आसान वित्तीय परिस्थितियों, विकासोन्मुखी बजट, स्थिर वैश्विक विकास, कम टैरिफ और हालिया व्यापार समझौतों के प्रभावों के कारण आने वाली तिमाहियों में चक्रीय वृद्धि में तेजी आएगी। बाहरी जोखिम मुख्य चिंता बनी हुई है। ब्रेट तेल की कीमत 80 डॉलर प्रति बैरल टिकने

पर, चालू खाता घाटा वित्त वर्ष 2026 में सकल घरेलू उत्पाद के 1 फीसदी से कुछ कम से बढ़कर वित्त वर्ष 2027 में 1.5 फीसदी से थोड़ा अधिक हो जाएगा। ऐतिहासिक मानकों के अनुसार यह कम है, लेकिन पूंजी खाते से जुड़ी चुनौतियाँ बनी हुई हैं। वैश्विक जोखिम से बचने की प्रवृत्ति के कारण विदेशी निवेश का बाहर जाना, बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा जारी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की वापसी और भारत के स्वयं के बाहर किए जाने वाले प्रत्यक्ष निवेश से अल्पावधि में भुगतान संतुलन पर दबाव पड़ सकता है।

नीतिगत उपाय

अनिश्चितता के बढ़ते स्तर को देखते हुए, फिलहाल इंतजार करना और स्थिति पर नजर रखना ही समझदारी होगी। अगर यह वाकई ऊर्जा की कीमतों में अल्पकालिक उछाल साबित होती है, तो इसके दुष्प्रभाव नियंत्रण में रहेंगे। यदि तेल की कीमतें ऊंची बनी रहती हैं, तो सरकार को प्राथमिक उपाय के रूप में राजकोषीय नीति को सक्रिय करना पड़ सकता है। राजकोषीय हस्तक्षेप में सब्सिडी बढ़ाना, घरेलू ईंधन उत्पाद शुल्क में कटौती करना और कच्चे तेल और परिष्कृत उत्पादों पर आयात शुल्क कम करना शामिल हो सकता है। इसमें वृद्धि और राजकोषीय संतुलन के बीच संतुलन बनाना होगा, लेकिन यह एक सेतु का काम करता है। मौद्रिक नीति के लिए तेल की ऊंची कीमतें ब्याज दरों को स्थिर रखने के पक्ष में तर्कों को मजबूत करती हैं। यह आपूर्ति पक्ष का झटका है और इसका आर्थिक वृद्धि (कमी) और मुद्रास्फीति (वृद्धि) पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। मुद्रा बाजारों में अस्थिरता का प्रबंधन करना मुख्य प्राथमिकता है, साथ ही कीमतों पर बढ़ते दबाव पर भी नजर रखना आवश्यक है। अंततः, ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाना आवश्यक है, खासकर अमेरिका, कनाडा, पश्चिम अफ्रीका और लैटिन अमेरिका की ओर देखा जाएगा। यह महंगा हो सकता है, लेकिन लचीलेपन के लिए आवश्यक है। जीवाश्म ईंधन के आयात पर निर्भरता कम करने के लिए एक बड़ा रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार बनाना और नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग में तेजी लाना भी महत्वपूर्ण है।

राशिफल

मेष राशि :- स्थिति पर नियंत्रण बनाये रखने के लिये संयम से कार्य निपटा लें, धैर्य रखें।

वृष राशि :- समय की गति अनुकूल, परिश्रम सफल होगा, क्षमता में अनुकूल वृद्धि होगी।

मिथुन राशि :- तनाव, क्लेश व अशांति, मानसिक बेचैनी, स्वभाव में उद्विग्नता से बचें।

कर्क राशि :- आशाानुकूल सफलता का हर्ष होगा, कार्यगति में सुधार होगा, सोचे हुये कार्य बन जायेंगे।

सिंह राशि :- चिन्ता निवृत्ति, योजनायें फलीभूत होंगी, सतर्कता से कार्य करने पर लाभ होगा।

कन्या राशि :- भाग्य का सितारा प्रबल रहेगा, बिगड़े हुये कार्य बनेंगे, मित्रों से सुख होगा।

तुला राशि :- असमंजस की स्थिति बनी रहेगी, तर्क-वितर्क में विजय, सफलता के साधन बनेंगे।

वृश्चिक राशि :- सफलता के साधन जुटावें, विशेष कार्य स्थिति रखें, कार्य अवरोध होगा।

धनु राशि :- वातावरण असमंजस में रखे, अनेक प्रकार की बाधायें सामने आयेंगी धैर्य से काम लें।

मकर राशि :- कुटुम्ब में सुखवर्धक योजनायें बनेंगी, किसी का कार्य लाभ होने से आपको संतोष अवश्य होगा।

कुंभ राशि :- स्वभाव में बेचैनी, मानसिक खिन्नता, अनावश्यक भटकना पड़ेगा, कार्य बनेंगे।

मीन राशि :- परिश्रम करने पर भी सफलता दूर दिखायी देगी, कुछ तनाव व परेशानी का अनुभव होगा।

रीर को एनर्जी देने में ये 5 हाइड्रेटिंग फूड्स करते हैं मदद, डाइट में जरूर करें शामिल

भागदौड़ और स्ट्रेस भरी जिंदगी में थकान होना बेहद आम बात है। लेकिन अक्सर थकान महसूस होना अच्छे स्वास्थ्य के लक्षण नहीं माने जाते हैं। क्योंकि थकान की वजह से किसी भी काम में मन नहीं लगता है और साथ-साथ हमें शारीरिक और मानसिक परेशानियाँ भी घेर लेती हैं। थकान महसूस होने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। कई बार शरीर में विटामिन और मिनरल्स की कमी होने पर भी शरीर थका-थका महसूस होता है। वहीं कई बार शरीर के डिहाइड्रेट होने के कारण भी थकान महसूस होती है। ऐसे में शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए आपको पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए। क्योंकि कम पानी पीने की वजह से शरीर हाइड्रेट नहीं हो पाता है। ऐसे में शरीर को हाइड्रेट रखने में कुछ फूड्स हमारी मदद कर सकते हैं। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको 5 ऐसे फूड्स के बारे में बताते जा रहे हैं, जो पानी के साथ-साथ शरीर को भी हाइड्रेट रखने में सहायता करते हैं।

ये फूड्स शरीर को रखते हैं हाइड्रेट हेल्थी एक्सपर्ट के अनुसार, शरीर को हाइड्रेट रखना शारीरिक से कहीं ज्यादा मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक होता है। यह हमारे शरीर की क्रिप्टोविटी को बढ़ाता है और आंतरिक संतुलन यानी होमोस्टैसिस को बनाए रखता है। हाइड्रेशन



सिर्फ शारीरिक प्यास बुझाने के लिए जरूरी नहीं है, बल्कि यह शरीर को अंदर से एनर्जी और फोर्स के फलों के लिए भी जरूरी है। वहीं गर्मियों में पित्त को कंट्रोल करने के लिए पानी से भरपूर खाद्य पदार्थों जैसे खीरा और नारियल पानी आदि का सेवन करना चाहिए। वहीं सर्दी के मौसम में वात को बढ़ने से रोकने के लिए गर्म और पीप्टिक खाद्य पदार्थों पर भी फोकस करना चाहिए। एक्सपर्ट की मानें, तो आयुर्वेद में बताया गया है कि आप सौंफ या दालचीनी, गर्म पानी या अदरक से बनी हर्बल चाया का सेवन कर सकते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि यह आपके शरीर की अंदरूनी सफाई करने और न्यूट्रिएंट्स को एब्जॉर्स करने में सहायता करता है। साथ ही यह शरीर को हाइड्रेट रखने के साथ एनर्जी लेवल को

मेंटेन रखता है।

मूली

सर्दियों में मिलने वाली सब्जियों में पानी की भरपूर मात्रा पाई जाती है। सर्दियों में कई लोग पानी पीना बहुत कम कर देते हैं। ऐसे में आप मूली का सेवन कर सकते हैं। क्योंकि मूली आपके शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करती है। वहीं मूली में मौजूद गुण पाचन में भी सहायक होते हैं।

पत्तेदार सब्जी

सर्दियों के मौसम में बाजार में हरी पत्तेदार सब्जियाँ आ जाती हैं। यह आपके शरीर को पोषण देने के साथ हाइड्रेट भी रखती हैं। सर्दियों में मेथी, पालक और अमरनाथ का सेवन करना सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है।

लौकी

लौकी शरीर को कूल रखने और हाइड्रेट करने में सहायक होती है। वैसे तो लौकी गर्मियों की सब्जी है। लेकिन अब यह सब्जी हर महीने बाजार में मिलती है। सर्दियों में लौकी का सूप या सब्जी फायदेमंद साबित हो सकता है।

खीरा

बता दें कि खीरा को हाइड्रेटिंग और कूलिंग प्रॉपर्टीज के बारे में जाना जाता है। खीरा 95% पानी से बना होता है। खीरा का सेवन करने से शरीर हाइड्रेट रहता है और इससे पाचन क्रिया में मदद मिलती है। खीरा खाने के कई फायदे भी होते हैं।

नारियल पानी

नारियल पानी को सेहत के लिए अमृत माना जाता है। नारियल पानी में हाइड्रेटिंग गुण और हाई प्रॉपिणिक वेल्थु होते हैं। नारियल पानी एक नेचुरल ड्रिंक है, जिसमें पोटेशियम और सोडियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स पाए जाते हैं। नारियल पानी का सेवन करने से शरीर को इस्टेंट एनर्जी मिलती है। नारियल पानी के फायदों को बढ़ाने के लिए आप इसका खाली पेट सेवन करें। लेकिन सर्दियों के मौसम और कफ की समस्या होने पर नारियल पानी का कफ सेवन करने की सलाह दी जाती है। क्योंकि यह नेचुरल कूलिंग करता है।



रात भर शहद डुबाकर रख दें ये 2 ड्राई फ्रूट, फिर देखें चमत्कार, शरीर रहेगा ताकतवर

आज के समय में लोगों की बाँडी में पहले जैसी ताकत रही ही नहीं है। फस्ट फूड के सेवन करने से शरीर भी इंसान का धीरे-धीरे कमजोर होता है जा रहा है। शरीर में ताकत और स्ट्रेमिना की कमी पर्याप्त पोषण न मिलने के कारण होती है। अगर आप भी चाहते हैं कि आपकी बाँडी फिट और मजबूत रहे, तो आप रात भर शहद में ये 2 ड्राई फ्रूट को डुबोकर रख दें फिर अगले दिन इसके सेवन से गजब के फायदे मिलते हैं। खराब जीवनशैली और गलत खानपान के कारण आजकल के लोगों का शरीर खोखला होता जा रहा है। अत्याधिक जंक फूड के सेवन करना या फिर एक्सरसाइज न करने से मनुष्य का शरीर कमजोर होता जा रहा है। कई बार पोषण की कमी से शरीर कुपोषित हो जाता है। इसलिए पर्याप्त न्यूट्रिशन लेने के लिए रात भर शहद में ये 2 ड्राई फ्रूट को डुबोकर रख दें फिर अगले दिन इसके सेवन से गजब के फायदे मिलते हैं। चलिए आपको इसके फायदे बताते हैं।

खाने के बाद से ही दिखेगा असर : आजकल ज्यादातर लोगों में कमजोरी, स्ट्रेमिना में कमी, थकान रहती है उन लोगों को काजू-बादाम शहद में भिगोकर खाना चाहिए। एक्सपर्ट के मुताबिक, यह एक शक्तिशाली उपाय है, जिस दिन से यह आप खाना शुरू करेंगे, उसी दिन से असर दिखेगा।

पूरे दिन ताकतवर रहेंगे

शहद में डुबे हुए ड्राई फ्रूट्स खाने से मसल्स को ताकत मिलती है। बादाम के हेल्दी फैट, काजू का नेचुरल शुगर और शहद के गुण मिलाकर इसका लेवल बढ़ाते हैं। इसे खाने के बाद स्ट्रेमिना के लेवल अच्छे से बढ़ता है।

लो ब्लड शुगर में रामबाण : जिन लोगों का ब्लड शुगर लेवल कम रहता है तो ठीक नहीं माना जाता है। ऐसे लोगों को मीठा खाने की सलाह दी जाती है। शहद में भिगे हुए बादाम-काजू खाने से नेचुरल शुगर मिलती है। जिससे ब्लड शुगर कंट्रोल रहता है।

विटामिन-मिनरल्स का भंडार

आमतौर पर ड्राई फ्रूट्स में प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम, विटामिन बी, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, पोटेशियम, ओमेगा 3 मिलता है। शहद के अंदर भी ऐसे शक्तिशाली तत्वों पाए जाते हैं। हाई ब्लड प्रेशर को कम करता है।

शहद में कैसे भिगोएं बादाम-काजू?

इसके लिए रात को 3 बादाम की गिरी और 3 काजू को 1 चम्मच शहद में रातभर के लिए अच्छे डुबों दें और सुबह खाली पेट खाएँ। वहीं, जिन लोगों को ड्राई फ्रूट से एलर्जी या डायबिटीज हो, वो इसका प्रयोग न करें।

सर्दियों में रामबाण है अजवाइन

आइए आपको बताते हैं अजवाइन धुआँ लेने से क्या फायदे मिलते हैं। **तनाव दूर होता है :** अजवाइन अपनी सुगंध के लिए जाना जाता है। इसकी खुशबू बहुत ही फायदा करती है। जब आप अजवाइन का धुआँ लेते हैं, तो इसकी खुशबू दिमाग को शांत करने का काम करती है। इससे दिमाग भी काफी रिलैक्स होता है और इसके साथ ही तनाव भी दूर होता है। यदि आपको तनाव के कारण रात को नींद नहीं आती है, तो ये घरेलू नुस्खा आपको चैन की गहरी नींद दिलाते हैं। **सर्दी-जुकाम में मिलता है राहत :** अजवाइन का धुआँ लेने से सर्दी-जुकाम जैसी मौसमी बीमारियों से भी राहत मिलते हैं। अजवाइन में एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। इसके प्रयोग से सर्दी-जुकाम के साथ-साथ वायरल से भी राहत मिलता है। जिन लोगों को कफ की समस्या होती है, उन्हें भी अजवाइन सुगंधा चाहिए। इसकी मदद से छाती में जमा हुआ कफ गलने में मदद करता है।

बच्चों में कब्ज से दिलाए राहत : अजवाइन का धुआँ देने से बच्चे को कब्ज में राहत मिलेगी। आप बच्चे को सीधा धुआँ देने की बजाय उनके पेट की सिंकाई कर सकते हैं। बच्चे के पेट किसी भी तरह का दर्द उठने पर दवाई के साथ आप उनके पेट की सिंकाई कर सकते हैं।

कैसे लें अजवाइन का धुआँ

पारम्परिक रूप से अजवाइन का धुआँ लेने के लिए लोग गोबर के उपले यानी कंडो का प्रयोग करते हैं। इसमें छोटे से कंडे को जलाया जाता है। उसके अच्छे से जलने के बाद, हल्की बची आंच पर दो से तीन चम्मच अजवाइन के दाने डालें। इस धुएँ को मदद से आप बच्चों के पेट की सिंकाई की जाती है, तो आप वहीं बड़े तौलिये या मोटे कपड़े की मदद से मुँह पर धुआँ ले सकते हैं। इसके अलावा, आप पानी को उबाल लें और फिर इसमें 2-3 चम्मच अजवाइन को डालें और फिर इसका स्टीम ले सकते हैं।

सम्राट विक्रमादित्य के काल में अवंतिका नगरी में विजयी ध्वज निकाल कर मनाया जाता था उत्सव : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

परंपरागत ध्वज चल समारोह हमारे सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक नगर में परंपरागत निकलने वाले चल समारोह (गेर) को निरंतर बनाए रखने प्रदान की जाएगी सवा लाख रुपए की सहयोग राशि



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्राचीन अवंतिका नगरी में सम्राट विक्रमादित्य के शासनकाल के दौरान परंपरागत रूप से सैनिक छानियों से सैनिक विजयी पताका और चिन्ह लेकर चल समारोह के रूप में नगर में उत्सव मनाते थे। बाद में इस उत्सव को गेर

नाम दे दिया। यह प्राचीन परंपरा आज भी कायम है। यह परंपरा हमारे सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को उज्जैन में सुबह महाकालेश्वर मंदिर पहुंचकर भगवान महाकाल का पूजन अभिषेक करने के बाद मंदिर के सभा मंडप में रंगपंचमी के

अवसर पर ध्वज चल समारोह में भगवान वीरभद्र जी के ध्वज और महाकाल ध्वज के साथ ही शस्त्रों का विधि विधान पूर्वक पूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ध्वज हाथ में लेकर मंदिर के कुंड परिसर तक गए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर कलेक्टर रौशन कुमार सिंह को निर्देश दिए कि उज्जैन में परंपरागत रूप से निकलने वाले चल समारोह (गेर) की परंपरा को आगे भी कायम रखने के लिए सवा-सवा लाख रुपए की राशि दी जाए। रंगपंचमी के अवसर पर महाकालेश्वर मंदिर से परंपरागत रूप से निकलने वाले महाकालेश्वर ध्वज चल समारोह (वीरभद्र ध्वज चल समारोह) के पहले सुबह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महाकालेश्वर मंदिर पहुंच कर गर्भगृह में भगवान महाकाल का पूजन कर देश व प्रदेश की खुशहाली की कामना की। पूजन के बाद नदी हाल में मंदिर के पुजारी-पुरोहितों द्वारा स्वस्ति वाचन किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान महाकाल का ध्यान लगाया। इस अवसर पर कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को भगवान महाकाल का अंगवस्त्र, भगवान महाकाल का प्रसाद व स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रंग पंचमी पर उज्जैन में खेती फूलों की होली ये देश है वीर जवानों का" गाना गाया, सभी को रंग पंचमी की शुभकामनाएं दीं उज्जैनवासियों ने मुख्यमंत्री का किया अभिनंदन मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को रंगपंचमी के पावन अवसर पर टॉवर चौक उज्जैन में आमजन के साथ फूलों की होली खेली। इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव सिंधी कॉलोनी से निकाली गई गेर (चल समारोह) में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को अपने बीच पाकर नागरिकों ने हर्षोल्लास से रंगपंचमी मनाई और मुख्यमंत्री का अभिवादन किया।

टॉवर चौक पर बनाये गये मंच से मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी पर गुलाब के फूल बरसाकर होली खेली।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ये फूल हमें याद दिलाते हैं कि जीवन में रंग भले कितने भी हों, असली रंग तो दिल के रंग होते हैं,



जो एक-दूसरे के लिए सम्मान, भाईचारा और देशभक्ति से भरे हों। रंगपंचमी पर हमारे जीवन में आत्मीयता बढ़े, प्रेम और स्नेह बढ़े यही ईश्वर से प्रार्थना है। इसके बाद मुख्यमंत्री और आम जनता ने मिलकर 'ये देश है वीर जवानों का, अलबेलों का मस्तानों का' गाना गाया तो लगा जैसे पूरा उज्जैन, एक सुर में गूंज रहा है। ये गाना उन वीर जवानों के लिए समर्पित था, जो सीमा पर खड़े होकर हमें ये रंग खेलने की आजादी देते हैं। आज टॉवर चौक पर रंगपंचमी पर हजारों लोगों का एक साथ नाचते और गाने में मालवी परंपरा की सौंधी खुशबू भी थी।

जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवताओं का वास होता है : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए लगातार प्रयास कर रही है विश्व महिला दिवस पर महिलाओं को किया सम्मानित

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने शासकीय पोएम श्री आदर्श विज्ञान महाविद्यालय के सभागार में आयोजित समारोह में महिलाओं का सम्मानित किया। विश्व महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा किया गया। उप मुख्यमंत्री ने समारोह का शुभारंभ करते हुए कहा कि वैदिक काल से ही नारियों को परिवार और समाज में महत्वपूर्ण स्थान दिया गया। वैदिक ग्रंथों में कहा गया है कि जहां नारियों की पूजा होती वहां देवताओं का वास होता है। नारियों को आदर और सम्मान देने से देव प्रसन्न होते हैं जब देव प्रसन्न होते हैं तब सभी कठिनाईयें दूर हो जाती हैं। हमारी सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण के लगातार प्रयास कर रही है। महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 33 प्रतिशत तथा नगरीय निकायों एवं पंचायत राजसंस्थाओं में 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। महिलाओं में योग्यता की कमी नहीं है। पूरे अवसर मिलने पर महिलाएं हर क्षेत्र में सफल हो रही हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल



ने कहा कि लाडली लक्ष्मी योजना, लाडली बहना योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना तथा महिला स्वसहायता समूहों को वित्त पोषण सरकार के महिला सशक्तिकरण के सफल प्रयास हैं। आज महिलायें राजनैतिक, प्रशासनिक, सैन्य क्षेत्र सहित सभी क्षेत्रों में सफलतापूर्वक कार्य कर रही हैं। देश के सर्वोच्च पद पर महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु कार्य

करते हुए नारियों का सम्मान बढ़ा रही हैं। लाडली बहना योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता और विकास का अवसर दिया जा रहा है। हर महीने मिलने वाली 1500 रुपए की राशि से बहने अपने घर परिवार के छोटे-मोटे कार्य कर लेती हैं। महिला सशक्तिकरण के प्रयासों ने महिलाओं के आत्मविश्वास और गौरव में वृद्धि की है। उप मुख्यमंत्री

श्री शुक्ल ने समारोह में विभिन्न क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को शाल श्रीफल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। उप मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के आरंभ में कन्या पूजन किया तथा कन्याओं से आशिर्वाद प्राप्त किया। उप मुख्यमंत्री ने संयुक्त आयुक्त श्रीमती दिव्या त्रिपाठी, मुख्य अभियंता विद्युत वितरण कंपनी श्रीमती प्रमा पाण्डेय, डॉ. मीनाक्षी मिश्रा, श्रीमती ममता नरेन्द्र सिंह, लोक गायिका मणिमाला सिंह, तुलसा दुबे, डॉ. केशकली तिवारी, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. नेहा तिवारी, श्रीमती विभा श्रीवास्तव, श्रीमती ज्योत्सना श्रीवास्तव, श्रीमती सीमा सिंह तथा अन्य महिलाओं को सम्मानित किया। समारोह में जनपद अध्यक्ष रीवा श्रीमती संगीता यादव, श्री वीरेंद्र गुप्ता, श्री राजेश यादव, प्राचार्य डॉ. आर.एन. तिवारी, संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास श्रीमती शशिष्याम उडके, कार्यक्रम अधिकारी नयन सिंह, परियोजना अधिकारी जीवेन्द्र सिंह तथा बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। समारोह का संचालन सिद्धार्थ श्रीवास्तव ने किया।



मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर दी बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सभी महिलाओं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देश, समाज और परिवार की प्रगति में हर चुनौती में सहभागी रहने वाली मातृशक्ति को शत-शत नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में सफल हों, नए प्रतिमान गढ़ें, यही मेरी मंगलकामनाएं हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की रंग पंचमी पर्व की मंगलकामनाएं

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रंग पंचमी के पावन पर्व की प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और मंगलकामनाएं की हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रंगपंचमी की मंगलकामनाएं करते हुए कहा है कि रंगों का यह त्यौहार सभी प्रदेशवासियों के जीवन में उत्साह और उल्लास की वृद्धि करे।

उप मुख्यमंत्री ने प्रतिभाशाली निशानेबाज पाण्डेय को किया सम्मानित

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने देकहा निवासी प्रतिभाशाली युवा निशानेबाज यश पाण्डेय को सम्मानित किया। यश पाण्डेय ने हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित एशियन राइफल पिस्टल चैम्पियनशिप में 10 मीटर इवेंट में स्वर्ण पदक

जीता है उप मुख्यमंत्री ने यश पाण्डेय को देश प्रदेश और विश्व क्षेत्र का नाम रोशन कर बधाई दी तथा उनके भविष्य की कामना की। यश पाण्डेय ग्राम पंचायत दादर के सरपंच श्री अनुरूढ़ प्रसाद पाण्डेय के पौत्र हैं।

प्रदेश में उड़द की खेती को किया जा रहा है प्रोत्साहित : कृषि मंत्री श्री कंधाना

भोपाल। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंधाना ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ किसानों के साथ खड़ी है और उनके हितों की रक्षा के लिए लगातार कार्य कर रही है। प्रदेश में उड़द की खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा उड़द खरीदी पर 600 रुपए प्रति क्विंटल बोनस देने की घोषणा की गई है। किसानों से अपील है कि वे अधिक से अधिक उड़द

की खेती करें, ताकि उन्हें इस बोनस का लाभ मिले और अगली फसल की तैयारी भी समय पर हो सके। कृषि मंत्री श्री कंधाना ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के कल्याण और उनकी आय बढ़ाने के लिए लगातार महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। इस वर्ष गेहूं खरीदी पर किसानों को 40 रुपए प्रति क्विंटल बोनस प्रदान किया जाएगा। इससे प्रदेश के लाखों किसानों को सीधा लाभ मिलेगा और उनकी आय में वृद्धि होगी। कृषि मंत्री श्री कंधाना ने कहा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व विधायक स्व. राव राजकुमार सिंह यादव को दी श्रद्धांजलि



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अशोकनगर जिले के ईसागढ़ के ग्राम महुअन पहुंचकर चंदेरी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक श्री राव राजकुमार सिंह यादव के निधन पर श्रद्धांजलि

अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व. यादव के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया तथा परिजन से मुलाकात कर ढांडस बंधाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. राव राजकुमार सिंह यादव समर्पित जनप्रतिनिधि और समाजसेवी थे। अपने जीवनकाल में उन्होंने कई समाज सेवा के कार्य किए। जनकल्याण के लिए सक्रियता पूर्वक कार्य किया। उनका योगदान स्मरणीय रहेगा।

मिट्टी से जुड़ा हौसला बना पहचान

पूजा माहौरे ने प्राकृतिक खेती से रची सफलता की मिसाल



भोपाल। कहते हैं मेहनत और सही दिशा में उठाया गया कदम जिंदगी की तस्वीर बदल देता है। छिंदवाड़ा जिले के ग्राम रोहनाकला की महिला किसान पूजा माहौरे की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। कभी बढ़ती लागत और घटती पैदावार से चिंतित रहने वाली पूजा आज प्राकृतिक खेती और पशुपालन के माध्यम से आत्मनिर्भर बन चुकी हैं और हर महीने लगभग 40 हजार रुपये की अतिरिक्त आय अर्जित कर रही हैं। पति तरुण माहौरे के साथ मिलकर उन्होंने खेती को नया स्वरूप दिया और आज वे अपने क्षेत्र की महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई हैं। जब खेती बनी चिंता का कारण पूजा माहौरे के पास लगभग 10 एकड़ कृषि भूमि है। पहले वे पारंपरिक

तरिके से रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का उपयोग कर खेती करती थीं। लेकिन समय के साथ खेती की लागत बढ़ने लगी और मिट्टी की उर्वरता भी कम होने लगी। इससे खेती का लाभ घटता गया और भविष्य को लेकर चिंता बढ़ने लगी।

प्रशिक्षण ने बदली सोच

इसी बीच कृषि विभाग की आत्मा परियोजना के अंतर्गत उन्हें कृषि सखी के रूप में कार्य करने का अवसर मिला। यहां उन्हें नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग के तहत प्रशिक्षण प्राप्त हुआ। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने बीजामृत, जीवामृत, पंचगव्य, निर्मास्र और ब्रह्मास्र जैसे जैविक घोल तैयार करना और उनका

उपयोग करना सीखा। प्रशिक्षण से मिली जानकारी को उन्होंने अपने खेतों में लागू किया और धीरे-धीरे प्राकृतिक खेती की ओर कदम बढ़ा दिए।

प्राकृतिक खेती से बढ़ी आमदनी

आज पूजा माहौरे अपने खेत के लगभग एक एकड़ क्षेत्र में रसायन मुक्त सब्जियों की खेती कर रही हैं। उनकी सब्जियां पूरी तरह प्राकृतिक होने के कारण बाजार में उनकी मांग अधिक है। वे अपने उत्पाद प्राकृतिक जैविक हाट बाजार में बेचती हैं, जहां उन्हें अच्छा मूल्य मिलता है। सब्जियों की बिक्री से उन्हें लगभग 10 हजार रुपये

प्रतिमाह शुद्ध लाभ प्राप्त हो रहा है।

पशुपालन बना आय का मजबूत आधार

प्राकृतिक खेती के साथ-साथ पूजा माहौरे ने देसी गिर और साहीवाल नस्ल की 10 गायों का पालन भी शुरू किया। इन गायों के दूध की बिक्री से उन्हें लगभग 30 हजार रुपये प्रतिमाह शुद्ध आय प्राप्त हो रही है। इस तरह खेती और पशुपालन के समन्वय से उनकी कुल अतिरिक्त आय लगभग 40 हजार रुपये प्रतिमाह हो गई है।

मेहनत को मिला सम्मान

कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय मिलेट मेले में पूजा माहौरे ने प्राकृतिक और जैविक सब्जियों की दुकान लगाई, जिसे लोगों ने खूब सराहा। उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें संयुक्त संचालक कृषि और उपसंचालक कृषि द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया गया।

महिलाओं के लिए प्रेरणा

आज पूजा माहौरे अपने अनुभव साझा करते हुए आसपास के किसानों और महिलाओं को भी प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित कर रही हैं। उनकी सफलता यह साबित करती है कि यदि किसान कम लागत वाली प्राकृतिक खेती और पशुपालन को अपनाए तो खेती की लाभकारी बनाया जा सकता है।

नगर परिषद ने शुरू किया अतिक्रमण हटाओ अभियान

जर्जर शासकीय भवनों पर चला बुलडोजर

दैनिक रेवांचल टाइम्स, कटनी। विजयराघवगढ़ नगर की सुरक्षा और व्यवस्थित विकास को ध्यान में रखते हुए विजयराघवगढ़ नगर परिषद ने जर्जर शासकीय भवनों को चिन्हित कर उन्हें ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। इस अभियान की शुरूआत नगर परिषद अध्यक्ष राजेश्वरी हरीश दुवे के नेतृत्व में की गई, जिसमें उपाध्यक्ष हरिओम वर्मन और मुख्य नगर पालिका अधिकारी मनीष परते पार्थिव मे सरोज साहब लाल चौधरी बलराम गुप्ता मो सफिक भी मौजूद रहे। नगर परिषद की टीम ने नगर के विभिन्न स्थानों पर स्थित उन शासकीय भवनों को चिन्हित किया जो लंबे समय से जर्जर हालत में थे और कभी भी दुर्घटना का कारण बन सकते थे।

परिषद के अमले ने मौके पर पहुंचकर ऐसे भवनों को बुलडोजर से ध्वस्त कराया



ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की जनहानि की आशंका को रोका जा सके। नगर परिषद अध्यक्ष राजेश्वरी हरीश दुवे ने जानकारी देते हुए बताया कि विजयराघवगढ़ विधायक संजय सत्येंद्र पाठक के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में

जर्जर भवनों के गिरने से कई जगह दुर्घटनाएं सामने आई थीं जिन्हें देखते हुए नगर की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए यह अभियान शुरू किया गया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि नगर में अतिक्रमण के खिलाफ भी जल्द सख्त कार्रवाई की जाएगी। नगर के प्रमुख मार्गों को चौड़ा

करने और सुचारू यातायात व्यवस्था के लिए अतिक्रमण हटाना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से नगर परिषद द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाएगा। नियमों के तहत की जा रही कार्रवाई। नगर परिषद अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1961 की धाराओं के तहत की जा रही है जिसके अंतर्गत जर्जर और खतरनाक भवनों को हटाने तथा सार्वजनिक मार्गों से अतिक्रमण हटाने का अधिकार नगरीय निकाय को प्राप्त है। साथ ही सार्वजनिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ऐसे भवनों को चिन्हित कर ध्वस्त करने की प्रक्रिया अपनाई जाती है। नगर परिषद प्रशासन का कहना है कि नगर के विकास सुरक्षा और सुगम यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए यह अभियान लगातार जारी रहेगा और आने वाले समय में नगर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए भी चरणबद्ध कार्रवाई की जाएगी।

जनचर्चा में कलेक्टर कार्यालय की कार्यप्रणाली

मऊगंज में नोटिस खेल!

दैनिक रेवांचल टाइम्स मऊगंज। मऊगंज जिले में इन दिनों १७ शासनात्मक कार्यप्रणाली को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। कुछ दिन पहले कलेक्टर कार्यालय के जनसंपर्क के माध्यम से यह खबर प्रकाशित हुई थी कि नईगढ़ी क्षेत्र की 68 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बर्खास्तगी का नोटिस जारी किया गया है, लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि अभी तक ऐसा कोई नोटिस संबंधित आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं तक पहुंचा ही नहीं है। इसी बीच अब एक और नोटिस जनचर्चा का विषय बना हुआ है। बताया जा रहा है कि महिला स्वसहायता समूह (नारी स्वसहायता समूह) से जुड़े मामले में एक नोटिस जारी किया गया है लेकिन वह नोटिस अटरिया शिवप्रसाद के अमरीश मिश्रा को भेज दिया गया है जबकि उनका महिला स्वसहायता समूह से कोई सीधा संबंध ही नहीं बताया जा रहा है। ज्ञात हो कि एनआरएलएम (राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन) के अंतर्गत बनने वाले स्वसहायता समूहों का



संचालन केवल महिलाओं द्वारा किया जाता है और उनका उद्देश्य महिला सशक्तिकरण होता है। ऐसे में किसी पुरुष को महिला स्वसहायता समूह से संबंधित नोटिस जारी होना प्रशासनिक प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर रहा है।

स्थानीय लोगों में यह चर्चा भी है कि क्या कलेक्टर कार्यालय को एनआरएलएम योजना की कार्यप्रणाली और समूह गठन की प्रक्रिया की सही जानकारी है या नहीं? यदि जानकारी है, तो फिर इस प्रकार के नोटिस जारी होने का कारण क्या है? इस पूरे मामले ने जिले में हूने नोटिस खेलना जैसी स्थिति को जन्म दे दिया है और अंदरखाने में कई तरह की सुगबुगाहट शुरू हो गई है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि कहीं यह प्रशासनिक उदासीनता है या फिर व्यवस्था में किसी प्रकार की अराजकता का संकेत। अब देखना यह है कि प्रशासन इस मामले पर क्या सशक्तिकरण देता है और क्या इस तरह के विवादित नोटिसों की जांच होगी या नहीं।



खनिज विभाग रीवा ने अवैध परिवहन करते 3 वाहनों पर की कार्यवाही

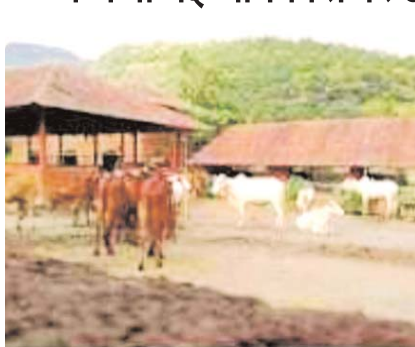
दैनिक रेवांचल टाइम्स रीवा। कलेक्टर एव जिला दंडाधिकारी रीवा के निर्देशन में खनिज अधिकारी उप संचालक दीपमाला तिवारी के नेतृत्व में अवैध उत्खनन, अवैध परिवहन एवं भंडारण पर कार्यवाही की गई। उक्त कार्यवाही रीवा बनुकुइया बाईपास एवं मनगवा में वाहनों की सघन जांच की गई। जिसमें बिना वैध दस्तावेज के परिवहन करते 3 वाहनों (हाइवो) को जप्त कर थाना रायपुर कर्चुलियान में सुरक्षा की दृष्टि से खड़ा कराया गया। एवं एक वाहन को रतहरा वाई पास में खड़ा कराया गया तथा तीनों वाहनों का अवैध परिवहन का प्रकरण दर्ज कर रीवा कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। इस संबंध में खनिज अधिकारी ने बताया कि खनिज विभाग द्वारा सतत खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर कार्यवाही की जा रही है और आगे भी अवैध परिवहन एवं भंडारण में कार्यवाही जारी रहेगी। जांच के दौरान उप संचालक खनिज अधिकारी दीपमाला तिवारी, खनिज निरीक्षक आरती सिंह, सर्वर खान, रजनीश ओझा, सदीप सहित कई खनिज सिपाही सम्मिलित रहें।

चना और मसूर खरीदी के लिये किसान भाई 16 मार्च तक करा सकेंगे पंजीयन

दैनिक रेवांचल टाइम्स, कटनी। प्राईस सपोर्ट स्कीम अंतर्गत रबी वर्ष 2025-26 (विपणन वर्ष 2026-27) में ई-उपार्जन पोर्टल पर चना एवं मसूर के पंजीयन की प्रक्रिया शुरू है। किसान भाई 16 मार्च तक अपना पंजीयन करा सकेंगे। कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के निर्देश पर जिले में गेहूँ पंजीयन के लिए निर्धारित 55 पंजीयन केन्द्रों में ही चना एवं मसूर के उपार्जन हेतु भी पंजीयन किया जाएगा। कलेक्टर श्री तिवारी ने सभी किसानों से असुविधा से बचने हेतु अंतिम तिथि के पूर्व अपना पंजीयन कराने की अपील की है। इस वर्ष चेहरे से होगा किसान का सत्यापन-चना एवं मसूर के पंजीयन के दौरान इस वर्ष खरीदी केन्द्रों द्वारा उपज खरीदने से पहले कृषकों की वास्तविक पहचान के लिए आधार का सत्यापन सक्षम पी.ओ.एस. मशीन या मोबाइल ऐप के माध्यम

से चेहरे का प्रमाणीकरण कर वास्तविक किसान का सत्यापन किया जावेगा, क्वोक विगत वर्षों की भांति ओ.टी.पी मान्य नहीं होगा। किसान की अनुपस्थिति में 3 लोग हो सकेंगे अधिकृत- यदि कृषक खरीदी केन्द्र पर स्वयं उपस्थित न हो पाये तो अपनी फसल के विक्रय हेतु पंजीयन के समय 3 अधिकृत व्यक्तियों का नाम और आधार नंबर दे सकता है। जिनके द्वारा पंजीकृत किसान की फसल खरीदी केन्द्र पर लाई जा कर विक्रय किया जा सकेगा। कृषक द्वारा अधिकृत किये गये व्यक्तियों का भी आधार-सक्षम पी.ओ.एस. मशीन या मोबाइल ऐप के माध्यम से चेहरे का प्रमाणीकरण अनिवार्य होगा। कोई भी व्यक्ति अधिकतम तीन कृषकों के अधिकृत व्यक्ति के तौर पर काम कर सकता है तथा उपज का भुगतान पंजीकृत कृषक के बैंक खाते में किया जाएगा।

अगस्त क्रांति मंच ने निष्पक्ष जांच की मांग गौशाला से गायब हो रहे गौवंश! विधानसभा में भेजी गई जानकारी पर उठे सवाल



दैनिक रेवांचल टाइम्स मऊगंज। मऊगंज जिले में गौवंश संरक्षण को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। ग्राम पंचायत के पंचनामा और पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार थाना हनुमना के अपराध क्रमांक 189/24 में जब 33 गौवंश को सुरक्षा के लिए स्थानीय गौशाला में सुपुर्द किया गया था। लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि वर्तमान में गौशाला में उतने गौवंश मौजूद नहीं हैं जितने कागजों में दर्शाए गए हैं। पंचायत के पंचनामा में भी उल्लेख किया गया है कि गौशाला में रखे गए कई गौवंश गायब हैं। ऐसे में बड़ा सवाल उठ रहा है कि जिन गौवंश के नाम पर शासन से राशि भुगतान हो रहा है, वे अखिर हैं कहां? प्रदेश में हाल ही में इंदौर में विधानसभा को गलत जानकारी देने के मामले में अधिकारियों पर कार्रवाई हुई थी। अब मऊगंज जिले में भी यह मांग उठ रही है कि यदि विधानसभा या प्रशासन को गलत जानकारी भेजी गई है तो जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। अगस्त क्रांति मंच और स्थानीय लोगों ने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और गौवंश की वास्तविक संख्या का सत्यापन कराया जाय, और गलत जानकारी देकर राशि आहरण करने वालों के खिलाफ कार्यवाही की जाये।

दैनिक रेवांचल टाइम्स मऊगंज। मऊगंज जिले में गौवंश संरक्षण को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। ग्राम पंचायत के पंचनामा और पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार थाना हनुमना के अपराध क्रमांक 189/24 में जब 33 गौवंश को सुरक्षा के लिए स्थानीय गौशाला में सुपुर्द किया गया था। लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि वर्तमान में गौशाला में उतने गौवंश मौजूद नहीं हैं जितने कागजों में दर्शाए गए हैं। पंचायत के पंचनामा में भी उल्लेख किया गया है कि गौशाला में रखे गए कई गौवंश गायब हैं। ऐसे में बड़ा सवाल उठ रहा है कि जिन गौवंश के नाम पर शासन से राशि भुगतान हो रहा है, वे अखिर हैं कहां? प्रदेश में हाल ही में इंदौर में विधानसभा को गलत जानकारी देने के मामले में अधिकारियों पर कार्रवाई हुई थी। अब मऊगंज जिले में भी यह मांग उठ रही है कि यदि विधानसभा या प्रशासन को गलत जानकारी भेजी गई है तो जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। अगस्त क्रांति मंच और स्थानीय लोगों ने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और गौवंश की वास्तविक संख्या का सत्यापन कराया जाय, और गलत जानकारी देकर राशि आहरण करने वालों के खिलाफ कार्यवाही की जाये।

गैस के दामों में हुई वृद्धि पर कांग्रेस नेत्री ने भाजपा सरकार के खिलाफ जताया विरोध

दैनिक रेवांचल टाइम्स रीवा। भाजपा सरकार के महंगाई से पहले से ही आम जनता परेशान है राशन एवं घरेलू वस्तुओं का सामान आसामान में है वहीं केंद्र सरकार द्वारा अचानक गैस सिलेंडरों के दाम में बढ़ोतरी कर दी गयी है जिससे आम आदमी का जीना दुश्चर हो रहा है। इसी की विरोध में महिला कांग्रेस की प्रदेश सचिव महिला कांग्रेस नेत्री विजयलक्ष्मी मिश्रा के नेतृत्व में सैकड़ों महिला कांग्रेस की कार्यकर्ता जनों द्वारा मोदी सरकार का विरोध करते हुए बड़े हुए गैस सिलेंडर के दामों को वापिस लिए जाने का विरोध किया। इस अवसर पर विजयलक्ष्मी मिश्रा ने अपने वक्तव्य में कहा है कि आज दिन भ्रष्टाचार लूट और महंगाई भाजपा के शासनकाल में रुकने का नाम नहीं ले रही है पहले से इतनी महंगाई थी अब सिलेंडर के दामों में और भी वृद्धि कर दी गई है 60 ऐसे में आम आदमी कैसे जी पाएगा। भाजपा के शासनकाल में केवल लूट खसोट चल रही है इसका हम विरोध करते हैं और



जब तक इस सिलेंडर के दामों में कमी नहीं होगी और अन्य महंगाई की वस्तुओं में कमी नहीं होगी तो हम महिला कैसे घर चला पाएंगे तब तक इसका हम विरोध करते रहेंगे। विरोध प्रदर्शन में प्रमुख रूप से महिला कांग्रेस की प्रभा मिश्रा, जानकी प्रजापति, गंगाबाई साकेत, रूप सिंह, दयावती पांडे, विपिन पांडे, सोमवती कुशवाहा, लीला कुशवाहा, अंजू, सुनेना कुशवाहा, देवी कुशवाहा, मयंक देवी पांडे, संध्या साकेत, सुनीता कोल, दीपति कोल, मुन्नी साकेत, लीला साकेत, लाली साकेत, सुंदरी साकेत, आराध्य देवी साकेत आदि प्रमुख रूप से महिला कांग्रेस की कार्यकर्ता उपस्थित रही।

उपस्थित ग्रामीणों ने वन एवं वन्यजीव संरक्षण में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की तथा समाज में उनके योगदान को सम्मानित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

अब बिना पैसों के होगा 1.5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए

वरदान बनेगी 'पीएम राहत योजना'

कटनी। सड़क दुर्घटनाओं के दौरान 'गोल्डन ऑवर' (दुर्घटना के बाद का पहला घंटा) में पीड़ितों की जान बचाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा सड़क दुर्घटना पीड़ितों का नकदी रहित उपचार स्कीम 2025(पीएम राहत) शुरू की गई है। इस योजना के तहत अब दुर्घटना का शिकार हुए किसी भी व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती होने के लिए तुरंत पैसों की चिंता नहीं करनी होगी।

योजना की मुख्य विशेषताएं

प्रत्येक पीड़ित को दुर्घटना की तारीख से 7 दिनों तक अधिकतम 1.5 लाख रुपए तक का केशलेस इलाज मिलेगा। योजनांतर्गत आयुष्मान भारत से जुड़े सभी अस्पताल और योजना में विशेष रूप से नामांकित अन्य अस्पताल इस सेवा को प्रदान करेंगे। अस्पताल को पूर्व-प्राधिकरण का इंतजार किए बिना तुरंत उपचार शुरू करना होगा। इस योजना के तहत पुलिस की प्राथमिकता पीड़ित को-अस्पताल पहुंचाना होगी पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचकर 'इलेक्ट्रॉनिक विस्तृत दुर्घटना रिपोर्ट' पर विवरण भरेंगे, जिससे पीड़ित की एक यूनिट क्विंटल बनेगी। यदि पीड़ित सीधे अस्पताल पहुंचता है, तो

पुलिस को 24 घंटे के भीतर पुलिस हेमरी होगी कि वह वास्तविक सड़क दुर्घटना का शिकार है पुलिस पीड़ित की पहचान स्थापित कर उसके परिवार को सूचित करने का प्रयास करेगी। कोई भी व्यक्ति सड़क दुर्घटना की सूचना देने के लिए-आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली 112 हेल्पलाइन पर डायल कर सकता है। 112 पर उतरदाता कॉल करने वाले को निकटतम नामित अस्पताल का विवरण प्रदान करेगा और दुर्घटना स्थल पर क्षेत्राधिकार वाले पुलिस स्टेशन को भी विवरण अग्रोपित करेगा। की रिपोर्ट 112 पर करने का निर्णय लेता है, तो वे 112 ऑपरेटर को दुर्घटना के बारे में प्राथमिक विवरण प्रदान करेंगे। इसके बाद 112 ऑपरेटर दुर्घटना स्थल जिस पुलिस स्टेशन के क्षेत्राधिकार में आता है, उसे दुर्घटना स्थल, पीड़ित या पीड़ितों का विवरण और नामित अस्पताल का विवरण भेजेगा। नामित अस्पताल ट्रांजेक्शन मैनेजमेंट सिस्टम (टीएमएस) पर उपचार आर्डर बनाएगा। टीएमएस पर बनाई गई यह आर्डर टीएमएस और इलेक्ट्रॉनिक विस्तृत दुर्घटना रिपोर्ट के बीच एपीआईआईटीरफेस के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप से जिला पुलिस को भेजी जाएगी।

प्रशिक्षण महाअभियान को लेकर बैठक आयोजित



दैनिक रेवांचल टाइम्स, हीमरखेड़ा। सिलौंडी में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान की रूपरेखा बैठक में जागरूक किसान नेता एवं पूर्व किसान मित्र हरेंद्र सिंह बागरी ने क्षेत्रीय विधायक धीरेन्द्र बहादुर सिंह का पुष्पमाला पहनाकर आत्मीय अभिनंदन किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष मनीष बागरी सहित प्रशांत राय, अरविंद तिवारी, संतोष विश्वकर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने संगठन की मजबूती तथा जनहित के विषयों पर सार्थक चर्चा की।

भव्य आयोजन

कटनी। कलेक्टर आशीष तिवारी के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत सीईओ सुशी हरसिमरनप्रौ कोर की अध्यक्षता में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कलेक्टर सभाकक्ष में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम अंतर्गत महिला परिचर्चा का आयोजन किया गया।

Manufacturer of t-shirts & lowers Mo. 9174614421, 9406763810

CHANDRAKALA TEXTILES

सभी प्रकार की टी-शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पॉट्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।

Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

रेल एक्टिविस्ट अथर्व सिंह ने जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर रखे कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव

महिला सुरक्षा और कानूनी अधिकारों की दी जानकारी

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर मंडला पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

दैनिक रेवांचल टाइम्स, मंडला। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मंडला पुलिस द्वारा महिला सुरक्षा और उनके कानूनी अधिकारों को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम चौकी मनेरी अंतर्गत ग्राम पंचायत मनेरी में आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में बालिकाओं और महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी देते हुए उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर महिला हेल्पलाइन नंबर 1090, पॉक्सो एक्ट के प्रावधान, मुफ्त विधिक सहायता तथा थानों में दर्ज मामलों की जानकारी प्राप्त करने के अधिकार के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही बालिकाओं को आत्मरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें सेल्फ डिफेंस, जूटो और कराटे प्रशिक्षण लेने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि वे किसी भी आपात स्थिति में अपनी सुरक्षा स्वयं कर सकें। कार्यक्रम में नए लागू कानून भारतीय न्याय संहिता (BNS) और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) के तहत महिला अपराधों से जुड़े प्रावधानों की भी जानकारी दी गई। महिलाओं को बताया गया कि किसी भी प्रकार के अपराध की स्थिति में बिना डर के पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जा सकती है और पीड़िता की पहचान गोपनीय रखने का अधिकार भी कानून द्वारा सुनिश्चित किया गया है। इस जागरूकता कार्यक्रम में लगभग 80 से अधिक महिलाओं और बालिकाओं ने सहभागिता की और महिला सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और समाज में सुरक्षा का माहौल बनाना ही मुख्य उद्देश्य है।



मंडला में नई ब्रॉडगेज रेल परियोजनाओं की मांग तेज

दैनिक रेवांचल टाइम्स मंडला। महाकौशल क्षेत्र में रेल और सड़क विकास को लेकर लगातार सक्रिय रेल एक्टिविस्ट अथर्व सिंह पिछले छह वर्षों से इस दिशा में प्रयास कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने पूर्व सांसद डॉ. दाल सिंह बिसेन के निवास पर रेलवे और सड़क विकास को लेकर एक विस्तृत बैठक की, जिसमें क्षेत्र के विकास के लिए भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा की गई। बैठक में विशेष रूप से मंडला फोर्ट रेलवे स्टेशन से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया गया। बताया गया कि मंडला फोर्ट को विश्वस्तरीय टर्मिनल स्टेशन का दर्जा मिलने के बावजूद यहां रेल विस्तार आज भी अधूरा है।

क्र.सं.	परियोजना का विवरण	लंबाई (किमी)	अवधि (वर्ष)
1	मंडला फोर्ट से मंडला जंक्शन तक	11.30	2026-2028
2	मंडला जंक्शन से मंडला रोड तक	5.00	2026-2028
3	मंडला रोड से मंडला बस स्टैंड तक	3.50	2026-2028
4	मंडला बस स्टैंड से मंडला बाजार तक	2.50	2026-2028

क्र.सं.	परियोजना का विवरण	लंबाई (किमी)	अवधि (वर्ष)
5	मंडला रोड से मंडला बाजार तक	2.50	2026-2028
6	मंडला बाजार से मंडला बस स्टैंड तक	3.50	2026-2028
7	मंडला बस स्टैंड से मंडला रोड तक	5.00	2026-2028
8	मंडला रोड से मंडला जंक्शन तक	11.30	2026-2028

क्र.सं.	परियोजना का विवरण	लंबाई (किमी)	अवधि (वर्ष)
9	मंडला जंक्शन से मंडला रोड तक	5.00	2026-2028
10	मंडला रोड से मंडला बस स्टैंड तक	3.50	2026-2028
11	मंडला बस स्टैंड से मंडला बाजार तक	2.50	2026-2028
12	मंडला बाजार से मंडला बस स्टैंड तक	3.50	2026-2028

क्र.सं.	परियोजना का विवरण	लंबाई (किमी)	अवधि (वर्ष)
13	मंडला रोड से मंडला बाजार तक	2.50	2026-2028
14	मंडला बाजार से मंडला बस स्टैंड तक	3.50	2026-2028
15	मंडला बस स्टैंड से मंडला रोड तक	5.00	2026-2028
16	मंडला रोड से मंडला जंक्शन तक	11.30	2026-2028

स्टेशन के विकास के लिए

प्रमुख प्रस्ताव
बैठक में अथर्व सिंह ने कई अहम प्रस्ताव रखे, जिनमें अतिरिक्त लूप और साइडिंग लाइन का निर्माण, रैक पॉइंट को स्थानांतरित कर प्लेटफॉर्म क्रमांक 3 और 4 का निर्माण, तथा सभी ट्रेनों की सफाई और रखरखाव के लिए तकनीकी अमले की स्थापना शामिल है। इसके अलावा मंडला-सिवनी-छिंदवाड़ा-अमला (लगभग 295 किमी) रेल मार्ग के दोहरीकरण की भी मांग रखी गई।

पंचवेली एक्सप्रेस को नैनपुर से मंडला फोर्ट तक बढ़ाने की मांग की गई, क्योंकि यह ट्रेन नैनपुर में करीब 11.30 घंटे खड़ी रहती है। पातालकोट एक्सप्रेस का विस्तार सिवनी से मंडला फोर्ट तक किया जाए। सिवनी-बैतूल पैसेंजर और छिंदवाड़ा-नैनपुर पैसेंजर ट्रेनों का विस्तार भी मंडला फोर्ट तक किए जाने का प्रस्ताव रखा गया। साथ ही नैनपुर और मंडला के बीच प्रतिदिन 4 से 5 फेरे पैसेंजर ट्रेनों के संचालन तथा जबलपुर-नैनपुर पैसेंजर ट्रेन का रात्रिकालीन विस्तार मंडला फोर्ट तक करने की मांग भी रखी गई।

नई ट्रेनों के संचालन का प्रस्ताव
बैठक में क्षेत्रीय यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कई नई ट्रेनों के संचालन की मांग भी की गई। इनमें मंडला से नागपुर, पुणे और बंगलुरु तक कान्हा एक्सप्रेस, मंडला से भोपाल, उज्जैन और इंदौर तक नर्मदा महाकाल एक्सप्रेस, मंडला-झरंडतवारी नियमित एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन जैसी महत्वपूर्ण मांगें शामिल हैं।

नई ब्रॉडगेज रेल परियोजनाओं पर जोर
अथर्व सिंह ने मंडला क्षेत्र के लिए कई नई ब्रॉडगेज रेल परियोजनाओं को भी आवश्यक बताया। इनमें प्रमुख रूप से गोटेगांव-घंसी-मंडला-डिंडोरी-अमरकंटक-पेंड्रा (260 किमी) बिलासपुर-मुंगेली-मंडला-जबलपुर (372

सड़क विकास पर भी रखे गए सुझाव
बैठक में रेल के साथ-साथ सड़क विकास पर भी चर्चा हुई। इसमें मंडला-झरंडतवारी-झरंडतवारी मार्ग को 4 लेन हाईवे बनाने, मंडला-नैनपुर-झरंडतवारी मार्ग का चौड़ीकरण, तथा NH-543 सहित कई प्रमुख सड़कों को 4 लेन में परिवर्तित करने की मांग की गई। रेल एक्टिविस्ट अथर्व सिंह का कहना है कि यदि इन परियोजनाओं को अमल में लाया जाता है तो महाकौशल क्षेत्र में पर्यटन, व्यापार और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और मंडला जिले का विकास तेज गति से होगा।

ट्रेनों के विस्तार की मांग

मंडला फोर्ट तक कई ट्रेनों के विस्तार का प्रस्ताव भी रखा गया, जिनमें प्रमुख रूप से इंदौर-नैनपुर



महिला एवं बाल विकास परियोजना मोहगांव अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 "फिट इंडिया वूमंस वीक - 2026" कार्यक्रम का आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स - मंडला। कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास मोहगांव में बालिकाओं को सेल्फ डिफेंस डेमोंस्ट्रेशन विषय पर प्रशिक्षित मार्शल आर्ट एक्सपर्ट राम बक्स मार्कों के द्वारा प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को सुरक्षित परिवहन (पब्लिक ट्रांसपोर्ट/सुरक्षा) सुरक्षित पर्यटन, प्रमुख हेल्पलाइन नंबर 181, 1098, 112 आदि, साइबर सुरक्षा एवं ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव एवं आपातकालीन स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया के संबंध में बताया गया। फिट इंडिया वूमंस के संदेश के साथ बालिकाओं को पौष्टिक आहार, स्वच्छता आदि विषयों पर जानकारी देते हुए, कार्यक्रम के अंत में समस्त बालिकाओं को " मैं स्वस्थ रहूंगी, सुरक्षित रहूंगी एवं अन्य महिलाओं को भी जागरूक करूंगी" शपथ ग्रहण कराई गई।

मंडला जिला चिकित्सालय का

बुरा हाल
समय से पहले और समय के बाद भी नदारद रहते हैं डॉक्टर, मरीज होते हैं परेशान

दैनिक रेवांचल टाइम्स, मंडला। आदिवासी बाहुल्य मंडला जिले में केंद्र और राज्य सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार योजनाएं चला रही हैं, ताकि हर व्यक्ति को समय पर इलाज मिल सके। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। जिन अधिकारियों और कर्मचारियों को इन योजनाओं को धरातल पर लागू करने की जिम्मेदारी दी गई है, वे मानो जिम्मेदारियों से मुंह मोड़कर आराम फरमाते नजर आ रहे हैं। वही जिले में शिक्षा, सड़क, पानी और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं की स्थिति लगातार सवालियों के घेरे में है।
ऐसे में जिम्मेदारी केवल विभागीय अधिकारियों की ही नहीं बल्कि जिले के जनप्रतिनिधियों-मंत्री, विधायकों और सांसद-की भी बनती है। लेकिन अक्सर यह देखने में आता है कि मंचों से बड़े-बड़े भाषण देकर विकास के दावे किए जाते हैं, जबकि आम जनता आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए भटकने को मजबूर है। इसी का ताजा उदाहरण मंडला जिला चिकित्सालय है, जो इन दिनों अपनी कार्यप्रणाली को लेकर चर्चा में है। यहाँ मंडला नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से योजना सैकड़ों मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं।

मरीज लाईन में और डॉक्टर गायब अत्यवस्था का अड्डा बना जिला चिकित्सालय



लेकिन अस्पताल में मरीजों को इलाज से ज्यादा लंबा इंतजार और अत्यवस्था का सामना करना पड़ रहा है। मरीजों और उनके परिजनों का कहना है कि अस्पताल में पंजीयन कराने के बाद जब वे डॉक्टर के कक्ष तक पहुंचते हैं तो कई बार डॉक्टर अपनी सीट पर मौजूद ही नहीं मिलते। आरोप है कि कई डॉक्टर समय से पहले ही अस्पताल से चले जाते हैं या समय पर पहुंचते ही नहीं। नतीजा यह होता है कि घंटों लाइन में खड़े रहने के बाद भी मरीजों को इलाज नहीं मिल पाता। इतना ही नहीं, अस्पताल में दवाइयों की कमी की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। मरीजों का कहना है कि सरकारी अस्पताल होने के बावजूद डॉक्टर अक्सर बाहर की दवाइयां लिख देते हैं, जिससे मरीज और

ग्रामीण मरीजों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। ऐसे हालात में सवाल उठाना लाजिमी है कि जब जिला मुख्यालय का अस्पताल ही बहाल स्थिति में है, तो दूर-दराज के ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों की हालत क्या होगी। जिले के नागरिकों का कहना है कि जिला प्रशासन को इस मामले को गंभीरता से लेते हुए अस्पताल की व्यवस्थाओं की जांच करानी चाहिए और जो भी डॉक्टर या कर्मचारी लापरवाही बरत रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। अगर समय रहते स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में सुधार नहीं किया गया तो मरीजों की परेशानियां और बढ़ सकती हैं, जिसका खासियामा जिला सीधे आम जनता को भुगतना पड़ेगा।

जल जीवन मिशन भी नहीं बुझा पा रहा जरूरतमंदों की घ्यास

पानी के लिए मची त्राहि त्राहि, जिम्मेदार बेखबर



दैनिक रेवांचल टाइम्स, मंडला। मध्य प्रदेश के मंडला जिले में पेयजल संकट दिन-ब-दिन गहराता जा रहा है। हालात यह हैं कि जिले के शहरों से लेकर गांवों तक लोग पानी के लिए त्राहि-त्राहि कर रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि मानो गहरी नींद में सोए हुए हैं। जिले के कई क्षेत्रों में पीने के पानी की भारी किल्लत के कारण लोग परेशान हैं। कहीं हैंडपंप सूख चुके हैं तो कहीं पाइपलाइन होने के बावजूद पानी की एक बूंद तक नसीब नहीं हो रही। कई ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों को दूर-दूर से पानी ढोकर लाना पड़ रहा है, जिससे लोगों में आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना, जिसका उद्देश्य हर घर तक नल से जल पहुंचाना है, मंडला जिले में सवालियों के घेरे में आ गई है। आरोप है कि इस योजना के तहत कराए जा रहे अधिकांश कार्य भ्रष्टाचार और लापरवाही की भेंट चढ़ गए हैं। कहीं पाइपलाइन अधूरी पड़ी है, कहीं पाइपलाइन बिछाने के बाद घरों में कनेक्शन ही नहीं किए गए। इतना ही नहीं, जहां कनेक्शन दिए भी गए हैं वहां भी भारी अनियमितताएं



सामने आ रही हैं। कई जगहों पर घरों के सामने नल लगाने के लिए कोई पक्का फाउंडेशन तक नहीं बनाया गया और सीधे पाइप डालकर औपचारिकता पूरी कर दी गई। इससे साफ जाहिर होता है कि काम केवल कागजों में पूरा दिखाने की कोशिश की जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद धरातल पर न तो पानी पहुंच रहा है और न ही योजना का लाभ मिल पा रहा है। सवाल यह भी उठ रहा है कि आखिर जल जीवन मिशन के नाम पर खर्च हो रही भारी-भरकम राशि का हिसाब कौन देगा? जिले में पानी की समस्या को लेकर जगह-जगह विरोध प्रदर्शन भी हो रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रशासन की ओर से कोई ठोस और परिणामकारी कदम उठते नजर नहीं आ रहे। अब जिले के नागरिकों की मांग है कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत हुए सभी कार्यों की ग्राम पंचायत स्तर पर निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषी अधिकारियों व ठेकेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही पूरे जिले में पेयजल समस्या का तत्काल समाधान किया जाए, क्योंकि जिले का मौसम शुरु होते ही यह संकट और भयावह रूप ले सकता है। अगर समय रहते प्रशासन नहीं जागा, तो आने वाले दिनों में मंडला जिले में पानी को लेकर जनक्रोध और भी तेज हो सकता है।

बिछिया पुलिस की कॉम्बिंग गश्त में 4 वारंटी गिरफ्तार: 10-12 साल पुराने मामलों में थे फरार

दैनिक रेवांचल टाइम्स, मंडला। मंडला जिले में बिछिया पुलिस ने रात कॉम्बिंग गश्त अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। शनिवार रात चलाए गए विशेष अभियान में पुलिस ने चार स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार किया। ये आरोपी 10-12 साल पुराने विभिन्न मामलों में फरार चल रहे थे। यह कार्रवाई एसडीओपी बिछिया सौरभ तिवारी के निदेशन में थाना प्रभारी रंजीत सैयाम और उनकी टीम की ओर से की गई। रात्रि गश्त के दौरान पुलिस ने अलग-अलग ठिकानों पर दबिश देकर लंबे समय से फरार चल रहे इन आरोपियों को पकड़ा। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में अलग नगर निवासी भागसिंह धुवें पिता बारे लाल धुवें, ग्राम बरबई थाना बिछिया निवासी देवराज मरावी पिता धनुसिंह मरावी, ग्राम गुडली हाल निवासी गुनेरा राजेश कुमार (पिता केदार उर्फ पिट्टू मरावी) और ग्राम गुडली निवासी मनोज कुमार (पिता प्रताप सिंह पुसाम शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, इन सभी आरोपियों को खिलाफ 10 से 12 वर्ष पुराने मारपीट, धरोलू हिंसा और वन अधिनियम से जुड़े मामले दर्ज थे। इन मामलों में उनके खिलाफ स्थायी वारंट जारी किए गए थे। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी रंजीत सैयाम, उप निरीक्षक प्रवीण मालवीय, सहायक उप निरीक्षक उपेन्द्र यादव, बालमुकुंद चौरसिया, सुरेश विजयवार, प्रधान आरक्षक रतन करचाम, अनिल मर्सेकोले, उमेश सरोते सहित पुलिस टीम और एसएसयू बल के कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मॉक ड्रिल में आपदा तैयारियों की खुली पोल

दैनिक रेवांचल टाइम्स, मंडला। मंडला के नेहरू गार्डन में नर्मदा तट के किनारे एसडीओआरएफ ने मॉक ड्रिल की। नगर पालिका प्रशासन के समन्वय से किए गए इस अभ्यास का उद्देश्य आपात स्थितियों में त्वरित कार्रवाई की समीक्षा करना था, लेकिन मौके पर उपकरण और तकनीकी दक्षता दोनों ही फेल नजर आए। मॉक ड्रिल के दौरान जब सूची पतियों के ढेर में आग लगाई गई, तो एसडीओआरएफ के जवान ने उसे बुझाने के लिए फायर एक्सटिंग्विशर का सहारा लिया। लेकिन काफी प्रयास के बाद भी आग पर काबू नहीं पाया जा सका। बाद में पता चला कि इस्तेमाल किया जा रहा फायर एक्सटिंग्विशर खाली था। आनन-फानन में दूसरा एक्सटिंग्विशर मंगवाकर आग पर काबू पाया गया। नगर पालिका की दमकल टीम की स्थिति भी कुछ बेहतर नहीं रही। जब आग को पानी से बुझाने का समय आया, तो दमकल कर्मी घंटों तक नोजल और प्रेशर सिस्टम को सुचारू करने के लिए संघर्ष करते देखे। इस तकनीकी खराबी के दौरान आग लगातार फैलती रही। काफी देर बाद जब पानी का प्रवाह शुरू हुआ, तब तक आग को एक्सटिंग्विशर से नियंत्रित किया जा चुका था। खास बात यह है कि यह मॉक ड्रिल कलेक्टर, एसपी और अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित की गई थी।

मां नर्मदा होम

सीमित ऑफर

मां नर्मदा होम आपके लिए लाया है, सीमित ऑफर 'सीमित समय के लिए सीमित प्लॉट उपलब्ध है, देर मत कीजिए और अभी सम्पर्क कीजिए

सम्पर्क करें

8319979116, 9669585728

मंडला, बाईपास, कटरा, मेडिकल कॉलेज और बस स्टैंड के बीच में